राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण गुरुवार 18 जनवरी 2024 वर्ष-6,अंक-354 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को याद आईं स्वर कोकिला लता मंगेशकर

शेयर किया उनका आखिरी श्लोक

नई दिल्ली। 22 जनवरी 2024 का दिन भारतीय जनता के लिए अविस्मरणीय दिन होने जा रहा है। भारतीय जनता इस दिन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस दिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा करेंगे। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा पर सबकी निगाहें हैं। घर-घर जय श्रीराम के नारे लगाए जा रहे हैं। हर भारतीय 22 जनवरी को दीपावली मनाने की तैयारी कर रहा है। दीये जलाकर भगवान राम का स्वागत करने के लिए तैयार दिखाई दे रहा है। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर करते हुए स्वर कोकिला लता मंगेशकर को याद किया है।

पीएम मोदी को याद आई स्वर कोकिला

प्राण प्रतिष्ठा से पहले पीएम मोदी ने लता मंगेशकर को याद करते हुए ट्वीट में लिखा- जैसा कि देश बड़े उत्साह के साथ 22 जनवरी का इंतजार कर रहा है। ऐसे में जिन लोगों की कमी खलेगी वो हमारी प्यारी लता दीदी हैं। उनके द्वारा गाया हुआ श्लोक शेयर कर रहा हूं। उनके परिवार ने बताया कि ये उनका रिकॉर्ड किया गया आखिरी श्लोक था।

बता दें कि लता मंगेशकर द्वारा रिकॉर्ड किया गया आखिरी श्लोक %श्री रामार्पण% है। जिसे उन्होंने इतनी शिद्दत से गाया कि हर कोई मंत्रमुग्ध हो गया है।

स्टार्स को मिला न्योता

22 जनवरी को देशभर के लोग राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनना चाहते हैं। प्राण प्रतिष्ठा के लिए कई बॉलीवुड हस्तियों को भी निमंत्रण गया है। इन सेलेब्स में आलिया भट्ट, रणबीर कपूर, कंगना रनौत, रणदीप हुड्डा, अनुष्का शर्मा और विराट कोहली शामिल हैं।

ये सभी बॉलीवुड स्टार्स राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए काफी एक्साइटेड हैं। इतने बड़े मौके पर स्वर कोकिला की कमी खलना बेहद लाजमी है। ज्ञातव्य है कि लता मंगेशकर ने बेहद कम उम्र में गाना शुरू किया था। उन्होंने अपने सिंगिंग करियर में अनगिनत हिट गाने दिए हैं। वो आज भले ही हमारे बीच नहीं हैं, पर गानों के जरिए हमेशा दिल के करीब रहती हैं।

हर भारतीय 22 जनवरी को दीपावली मनाने की तैयारी कर रहा है। दीये जलाकर भगवान राम का स्वागत करने के लिए तैयार दिखाई दे रहा है। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्विटर पर एक पोस्ट शेयर करते हुए स्वर कोकिला लता मंगेशकर को याद किया है।

अब बस इंतजार है, तो उस ऐतिहासिक लम्हे का जब अयोध्या नगरी में धूमधाम से भगवान राम का स्वागत किया जाएगा।

मुंडू और वेष्टि पहनकर पीएम मोदी ने केरल में की पूजा-अर्चना, कृष्ण के मंदिर में साधना

- हेलीपैड पर मौजूद लोगों ने भाजपा के झंडे लहराए। उन्होंने पार्टी के रंग की टोपियां पहनी हुई थीं। हेलीपैड से प्रधानमंत्री मोदी श्रीवलसम अतिथि गृह गए जहां उन्होंने मंदिर में पूजा करने से पहले रैली की।

त्रिशूर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केरल के गुरुवायूर में विख्यात भगवान कृष्ण मंदिर में बुधवार को पूजा-अर्चना की और अभिनेता से नेता बने सुरेश गोपी की बेटी की शादी में शामिल हुए जिसमें मलयालम सिनेमा के बड़े सितारे भी मौजूद रहे। प्रधानमंत्री पूजा के दौरान पारंपरिक परिधान 'मुंडू' और 'वेष्टि' (सफेद शॉल) धारण किए हुए थे। मोदी ने इसके बाद अपने परिधान बदले और गोपी की बेटी की शादी में शामिल हुए। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मंदिर में तैनात एक पुलिस अधिकारी ने एक टीवी चैनल को बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने वर-वधू को मालाएं दीं जो उन्होंने एक-दूसरे को पहनाईं। अधिकारी ने बताया कि इस अवसर पर ममूटी, मोहनलाल और दिलीप समेत कई फिल्मी सितारे भी वहां मौजूद रहे और प्रधानमंत्री ने सभी से बातचीत की। उन्होंने बताया कि मोदी ने गोपी की बेटी की शादी से पहले सुबह मंदिर में शादी करने वाले एक अन्य जोड़े को आशीर्वाद दिया और मिठाई खिलाई। प्रधानमंत्री

के दौरे के कारण मंदिर में सुबह से ही कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मोदी सुबह करीब 7.35 बजे हेलीकॉप्टर से गुरुवायूर पहुंचे। उनका हेलीकॉप्टर श्रीकृष्ण कॉलेज मैदान पर उतरा जहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सैंकड़ों समर्थक और कार्यकर्ता घंटों से उनके स्वागत में खड़े थे। मोदी के स्वागत के लिए हेलीपैड पर मौजूद लोगों ने भाजपा के झंडे लहराए। उन्होंने पार्टी के रंग की टोपियां पहनी हुई थीं। हेलीपैड से प्रधानमंत्री मोदी श्रीवलसम अतिथि गृह गए जहां उन्होंने मंदिर में पूजा करने से पहले केरल का पारंपरिक परिधान पहना। प्रधानमंत्री कोच्चि लौटने से पहले त्रिशूर जिले के 'त्रिप्रयार श्री राम स्वामी मंदिर' में पूजा-अर्चना करेंगे। वह कोच्चि में केंद्र सरकार और पार्टी के कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। मोदी दो दिवसीय दौरे पर मंगलवार शाम को राज्य में पहुंचे थे। मोदी ने मंगलवार को कोच्चि में एक विशाल रोड शो भी किया। यह इस बात का संकेत था कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा प्रधानमंत्री की लोकप्रियता के आधार पर दक्षिणी राज्य में बढ़त बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

बस ट्रक से टकराई - तीन पुलिसकर्मियों की मौत, 13 घायल

होशियारपुर। पंजाब में होशियारपुर के निकट बुधवार की सुबह घने कोहरे के कारण एक बस सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से जा टकराई जिसमें पंजाब सशस्त्र पुलिस जालंधर के एक महिला समेत तीन पुलिसकर्मियों की मौत हो गई और 13 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना होशियारपुर से 54 किलोमीटर दूर अड्डा ऐमा के निकट हुई। बस जालंधर से गुरदासपुर जा रही थी और घने कोहरे के कारण सड़क के किनारे खड़े एक ट्रक से टकरा गई। होशियारपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुरेन्द्र लांबा ने बताया कि कोहरे के कारण दृश्यता काफी कम थी और यही दुर्घटना का कारण बना। दुर्घटना में बस चालक गुरप्रीत सिंह, सहायक उप निरीक्षक हरदेव सिंह और कांस्टेबल शालू राणा की मौत हो गई।

केंद्रीय मंत्रियों ने की 'National Calling' की तारीफ, IAS सोनल गोयल ने लिखी है किताब

नई दिल्ली। चर्चित महिला आईएएस अधिकारी सोनल गोयल ने बीते सप्ताह केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह एवं केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी से उनके नई दिल्ली स्थित कार्यालय में मुलाक़ात कर अपनी पहली पुस्तक 'नेशन कॉलिंग- होलिस्टिक एप्रोच टू यूपीएससी सिविल सर्विसेज़ एक्ज़ामिनेशन की प्रति भेंट की। आईएएस सोनल ने गिरिराज सिंह एवं जी किशन रेड्डी से बातचीत के दौरान अपनी लगभग डेढ़ दशक लंबी प्रशासनिक सेवा यात्रा के अनुभवों को साझा किया और साथ ही राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर चर्चा की। किताब लिखने की प्रेरणा कहां से मिली?, इस प्रश्न के उत्तर में सोनल ने बताया कि उन्हें किताब लिखने की प्रेरणा भारत के गांव, क़स्बों और छोटे शहरों में रहने वाले उन अभ्यर्थियों से मिली जो यूपीएससी सिविल सर्विसेज़ एक्ज़ामिनेशन की तैयारी के लिए प्रयागराज, पटना और दिल्ली जैसे बड़े शहरों तक नहीं पहुँच पाते हैं और उन्हें सही गाइडेंस नहीं मिल पाता है। बताते चलें कि सोनल गोयल की पुस्तक- नेशन कॉलिंग का अनावरण दिल्ली में केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान मंत्री किरेन रिजिजू के हाथों हुआ था। विमोचन के समय अपनी टिप्पणी में किरेन रिजिजू ने कहा था कि यह पुस्तक केवल सिविल सेवा की तैयारी कर रहे एस्पिरेंट्स को ही नहीं बल्कि सभी युवाओं को पढ़नी चाहिए। विमोचन के बाद से ही अभ्यर्थियों के बीच यह पुस्तक चर्चा का विषय बनी हुई है।

कौन हैं आईएएस सोनल गोयल?

वर्ष 2008 की यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा में सफल होकर पूरे भारत में तेरहवीं रैंक हासिल करने वाली,

सोनल त्रिपुरा कैडर की वरिष्ठ आईएएस अधिकारी हैं। दिल्ली में पली-बढ़ीं सोनल ने दिल्ली के प्रतिष्ठित श्री राम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से पढ़ाई की है। फ़िलहाल सोनल दिल्ली के त्रिपुरा सरकार में सचिव के पद पर कार्यरत हैं।

सोनल, सोशल मीडिया पर भी काफ़ी ऐक्टिव हैं, जहां लाखों लोग उन्हें फ़ॉलो करते हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से भी सोनल, सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहे देश भर के लाखों छात्रों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करती रहती हैं।

मणिपुर के मोरेह में सुरक्षा बलों और कुकी उग्रवादियों के बीच भीषण मुठभेड़

इंफाल। महीनों से हिंसा की आग में जल रहे पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर के तेंगनोउपल जिले के सीमावर्ती शहर मोरेह में सुरक्षा बलों और संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के बीच बुधवार सुबह मुठभेड़ हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। ताजा रिपोर्टों के मुताबिक, उग्रवादियों ने एक मणिपुर कमांडो की गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने एसबीआई मोरेह के पास सुरक्षा बलों की एक चौकी पर बम फेंके और गोलीबारी की जिसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि एक पुलिस अधिकारी की हत्या के मामले में सीमावर्ती शहर में राज्य बलों द्वारा दो संदिग्धों को गिरफ्तार किए जाने के 48 घंटे बाद संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों की चौकी पर गोलीबारी की। इससे पहले, मणिपुर सरकार ने तेंगनोउपल में ''शांति भंग होने, सार्वजनिक सद्भाव बिगड़ने और मानव जीवन एवं संपत्ति को गंभीर खतरे की आशंका'' संबंधी जानकारी मिलने के बाद 16 जनवरी को देर रात 12 बजे से पूर्ण कर्फ्यू लगा दिया था। तेंगनोउपल के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि कर्फ्यू ''कानून-व्यवस्था लागू करने और

आवश्यक सेवाओं से जुड़ी सरकारी एजेंसियों'' पर लागू नहीं होगा। इस बीच, एक रिपोर्ट में कहा गया है कि इम्फाल पश्चिम जिले के कौत्रुक गांव में ग्रामीण स्वयंसेवकों और संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के बीच मंगलवार रात दो घंटे से अधिक समय तक गोलीबारी हुई। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय सुरक्षा बलों के इलाके में पहुंचने के बाद हमलावरों ने गोलीबारी बंद कर दी। पुलिस ने उप संभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) सी आनंद की पिछले साल अक्टूबर में की गई हत्या मामले के दो मुख्य संदिग्धों फिलिप खोंगसाई और हेमोखोलाल माते को गिरफ्तार किया था। दोनों ने सुरक्षाकर्मियों के वाहनों पर गोलीबारी की थी जिसके बाद पुलिस ने उनका पीछा किया और उन्हें पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि बाद में दोनों को मोरेह के न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया जहां से उन्हें नौ दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। उसने बताया कि संदिग्धों से कब्जे से आग्नेयास्त्र और गोला-बारूद बरामद किया है। अधिकारियों ने बताया कि दोनों संदिग्धों को ''बिना शर्त रिहा किए जाने'' की मांग को लेकर बड़ी संख्या में महिलाओं ने मोरेह पुलिस थाने के सामने विरोध प्रदर्शन किया था। कुकी इनपी तेंगनोउपल (केआईटी), चुराचांदपुर जिले के इंडिजिनस ट्राइबल लीडर्स फोरम (आईटीएलएफ) और कांगपोकपी जिले के कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) ने दोनों की गिरफ्तारी की निंदा की है।

लालू,शरद पवार 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा में शामिल नहीं होंगे, बाद में जाएंगे अयोध्या

पुणे (महाराष्ट्र) । राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा है कि वह 22 जनवरी को अयोध्या में श्री राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होंगे।राजद प्रमुख लालू यादव ने कहा, गठबंधन में सीटों का बंटवारा इतनी जल्दी नहीं होता। मैं राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने के लिए अयोध्या नहीं जाऊंगा। समारोह के लिए निमंत्रण प्राप्त करने वाले 83 वर्षीय पवार ने इस मुद्दे पर राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय को एक संक्षिप्त पत्र लिखा है, जिसमें दर्शन के लिए अधिक समय के साथ बाद की तारीख में जाने का वादा किया गया है। पवार ने कहा, भगवान राम न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में उनके लाखों समर्पित

अनुयायियों द्वारा पूजनीय हैं। अयोध्या समारोह को लेकर राम भक्तों में काफी उत्साह है और वे बड़ी संख्या में वहां पहुंच रहे हैं। उनके माध्यम से मुझे ऐतिहासिक अवसर का आनंद भी मिलेगा। हालांकि, राकांपा सुप्रीमो ने कहा कि 22 जनवरी के कार्यक्रम के बाद, राम लला का उचित और आराम से दर्शन करना संभव होगा। पवार ने कहा, मेरी कुछ कार्यक्रमों के लिए अयोध्या आने की योजना है। उस समय मैं पूरी आस्था के साथ श्री रामलला के दर्शन के लिए पर्याप्त समय निकालूंगा। उस समय तक, राम मंदिर का निर्माण कार्य भी पूरा हो जाएगा उन्होंने निमंत्रण के लिए राय के प्रति आभार जताया और अगले सोमवार (22 जनवरी) को अयोध्या में होने वाले भव्य समारोह के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

सर्दी का कहर: दिल्ली में कोहरे के कारण 110 से अधिक उड़ानों और 20 ट्रेनों में देरी, 25 उड़ाने रद्द

दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे के सूत्रों के अनुसार, कोहरे की मोटी परत छाए रहने के कारण पिछले 10 घंटों में 110 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय और घरेलू उड़ानों में देरी हुई, जबकि लगभग 25 उड़ानें रद्द कर दी गईं। मौसम विज्ञानी ने कहा कि मंगलवार रात करीब 11 बजे पालम में दृश्यता घटकर 300 मीटर रह गई। रात भर यही स्थिति रही और बुधवार सुबह 8-30 बजे दृश्यता सुधरकर 600 मीटर हो गई।आईएमडी कोहरे की तीव्रता को चार प्रकारों में वर्गीकृत करता है- उथला, मध्यम, घना और बहुत घना कोहरा।इनमें दृश्यता क्रमशः 999 मीटर से 500 मीटर, 499 मीटर से 200 मीटर, 199 मीटर से 50 मीटर और 50 मीटर से

कम होती है।

घने कोहरे ने सड़क यातायात के साथ रेल मार्ग यातायात पर भी काफी असर डाला है जिसके चलते उत्तर रेलवे की करीब 20 ट्रेन देरी से चल रही हैं। ट्रेनों की देरी से यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।रेलवे से मिली जानकारी के मुताबिक, ट्रेनें एक घंटे से 6-30 घंटे तक की देरी से चल रही हैं। दिल्ली क्षेत्र में 20 ट्रेन देरी से आ रही हैं।

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि 12311 हावड़ा-कालका मेल (एक घंटा), 12801 पुरी-निज़ामुद्दीन पुरूषोत्तम एक्सप्रेस (छह घंटे), 15707 काटीहार-अमृतसर एक्सप्रेस (4.30 घंटे), 12553 सहरसा-नई दिल्ली वैशाली एक्सप्रेस (1.30 घंटे), 12427 रीवा-आनंद विहार एक्सप्रेस (दो घंटे), 12417 प्रयागराज-नई दिल्ली एक्सप्रेस (1.15 घंटे), 12225 आज़मगढ़ - दिल्ली जंक्शन कैफियत एक्सप्रेस (पाँच घंटे), 12919 अम्बेडकरनगर- कटरा (पाँच घंटे), 14207 प्रतापगढ़ एमएलडीपी-दिल्ली (एक घंटे), 12557 मुजफ्फरपुर-आनंदविहार (डेढ़ घंटे), 12779 वास्को-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस (1.45 घंटे), वास्को-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस (2.15 घंटे), 12621 चेन्नई-नई दिल्ली (1.15 घंटे), 12723 हैदराबाद-नई दिल्ली (6.30 घंटे), 12155 भोपाल-निज़ामुद्दीन एक्सप्रेस (2.30 घंटे), 11841 खजराओ-कुरुक्षेत्र (2.45 घंटे), 12904 अमृतसर- मुंबई (दो घंटे), 12414 जम्मूतवी-अजमेर (1.15 घंटे), 15658 कामाख्या- दिल्ली मेल (3.45 घंटे) और 12447 मणिकापूर - निज़ामुद्दीन (दो घंटे) की देरी से चल रही हैं।

कोहरे और धुंध के चलते इन ट्रेनों में सफर करने वाले लोगों को काफी ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। लगातार रेलवे यह कोशिश करता है कि ट्रेनों का समय बिल्कुल ठीक रहे लेकिन इस मौसम में कोहरे के सामने तकनीक भी बेसर दिखाई देती है।

शर्मा ने की गडकरी से मुलाकात, पन्ना-मंडला के बीच एलिवेटेड रोड के निर्माण का किया आग्रह

भोपाल, नयी दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी की मध्यप्रदेश इकाई के अध्यक्ष और लोकसभा सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने आज नई दिल्ली में सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की।

इस दौरान श्री शर्मा ने अपने संसदीय क्षेत्र खजुराहो के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक - 39 पर पन्ना से मंडला के बीच लगभग 22 किलोमीटर लंबे एलिवेटेड रोड के निर्माण हेतु आग्रह कर श्री गडकरी को इस बारे में पत्र सौंपा। प्रदेश अध्यक्ष श्री शर्मा ने खजुराहो में आने वाले पन्ना में भारी वाहनों के आवागमन और यातायात की सुविधा के दृष्टिगत नगर के चारों ओर छतरपुर मार्ग, अजयगढ़ मार्ग, सतना-रीवा मार्ग तथा कटनी-जबलपुर मार्ग को जोड़ते हुए पुनः छतरपुर मार्ग तक रिंग रोड का निर्माण कराने का भी आग्रह किया। उन्होंने पवई विधानसभा में भी कई मार्गों के निर्माण कार्यों का आग्रह किया।

नीतीश से नाराजगी की अटकलों पर लालू ने तोड़ी चुप्पी, सीट शेयरिंग पर खुलकर बोले आरजेडी अध्यक्ष

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से नाराजगी की अटकलों पर आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है। ऐसा होता रहता है। उन्होंने इशारों में ही इन अटकलों को खारिज किया है। वहीं, इंडिया गठबंधन में आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर सीट शेयरिंग के मुद्दे पर लालू ने कहा कि इतनी जल्दी सीट बंटवारा नहीं होता है। आरजेडी चीफ ने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में जाने से भी इनकार किया है। लालू प्रसाद यादव ने बुधवार को पटना में मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उनसे ताजा राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर सवाल किए गए। पत्रकारों ने उनसे पूछा कि नीतीश कुमार से उनकी तनातनी की अटकलें चल रही हैं। मकर संक्रांति के मौके पर उन्होंने नीतीश को दही का टीका भी नहीं लगाया। लालू ने जवाब में कहा कि ऐसा कुछ भी नहीं है। ये सब होता रहता

है, कुछ तय नहीं है।

जब उनसे पूछा गया कि इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग कब होगी, तो लालू ने कहा कि इतना जल्दी नहीं होता है। उन्होंने कहा कि सीट शेयरिंग पर सब काम हो रहा है। अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के सवाल पर लालू ने स्पष्ट कहा कि वे इस कार्यक्रम में नहीं जाएंगे। कयास लगाए जा रहे हैं कि पिछले कुछ दिनों से आरजेडी और जेडीयू के बीच अंदरखाने घमासान छिड़ा हुआ है। नीतीश कुमार की लालू और तेजस्वी से दूरी बढ़ने की भी अटकलें हैं। मकर संक्रांति के मौके पर राबड़ी आवास में आयोजित भोज के दौरान भी नीतीश कुछ ही मिनट लालू के साथ रुके और फिर लौट गए। इस दौरान उन्हें लालू ने दही का टीका भी नहीं लगाया। इससे पहले 2016 और 2017 में जब नीतीश लालू के संक्रांति भोज में गए थे तो उन्हें दही का टीका लगाकर शुभकामनाएं दी गई थीं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

विमानन सेवा सुधार

हवाई जहाज में एक यात्री द्वारा पायलट को मुक्का मारने की विरल घटना स्वाभाविक ही चर्चा का गंभीर विषय बन गई है। यह अपनी तरह का पहला मामला है, जब किसी पायलट पर यात्री ने हाथ उठाया है। 28 वर्षीय युवा यात्री की यह हिमाकत कतई क्षम्य नहीं है और उसके खिलाफ विधि-सम्मत कार्रवाई होनी ही चाहिए। पायलट दल पर बड़ी जिम्मेदारी होती है और उस पर किसी तरह का हमला बेहद गंभीर अपराध होना चाहिए। चूंकि ऐसी अप्रिय स्थिति की कल्पना भी नहीं की गई थी, इसलिए कानून भी उतना कड़ा नहीं है। मुक्का मारने वाले यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया, पर जमानत पर छोड़ भी दिया गया। आगे की कार्रवाई भी कानून के हिसाब से होगी और यात्री को शायद कोई बड़ी सजा नहीं मिल पाएगी। यह घटना हमें पायलट दल की रक्षा के लिए नए कड़े कानून बनाने के संकेत दे रही है। संवेदना के साथ यह सोचने की जरूरत है कि उस पायलट की कोई गलती नहीं थी या उसकी वजह से फ्लाइट में देरी नहीं हो रही थी। तो फिर गलती किसकी थी? आखिर मुक्के की नौबत क्यों आई? इसके दो प्रमुख कारण हैं। पहला, खराब मौसम- अत्यधिक कोहरे की वजह से तमाम प्रकार के यातायात में बाधा पैदा हो रही है। अभी विज्ञान ने इतनी तरक्की नहीं की है कि कोहरे में भी साफ देख सके और मौसम पर किसी का वश भी नहीं। मौसम एक ऐसा मोर्चा है, जहां हम विवश हैं, पर इस घटना का जो दूसरा कारण है, वहां हमें जरूर सक्रियता दिखानी चाहिए। फ्लाइट में देरी के समय यात्रियों को विश्वास में लेने की जो प्रक्रियाएं हैं, उनमें बड़ी कमियां हैं। इस मिसाल से समझिए, यात्रियों को सुबह 7 बजकर, 40 मिनट पर फ्लाइट पकड़नी है, उन्हें बताया जाता है कि फ्लाइट एक घंटे देरी से है। यात्री खुशी-खुशी बिल्कुल समय पर हवाई अड्डे पहुंच जाते हैं। सर्दी से कांप रही दिल्ली से दूर अनेक यात्रियों को गोवा में कुछ राहत के पल बिताने हैं। हवाई अड्डे पहुंचने पर यात्रियों को बताया जाता है कि फ्लाइट में कोहरे की वजह से और देरी होगी। यात्रियों की धैर्य की पूरी-पूरी परीक्षा होती है और उन्हें दस घंटे बाद, मतलब पूरा दिन खराब करने के बाद प्लेन में बैठाया जाता है, उसके बाद भी एक पायलट यात्रियों को सूचना देते हैं कि उड़ान भरने के लिए और इंतजार करना पड़ेगा। बस सब्र के टूटने का यही वह मुकाम है, जहां एक यात्री खुद को हाथ उठाने से रोक नहीं पाता है और अपराध कर बैठता है। अब दोषी यात्री को जो भी परेशानी हो, पर विमानन कंपनियों को अपना ढर्रा सुधारना चाहिए। विमान यात्रियों को कब-कब कैसी-कैसी परेशानी से गुजरना पड़ता है, इस पर ईमानदारी से गौर करने की जरूरत है। यात्रियों से अनुशासन की उम्मीद करने से पहले विमानन कंपनियों को खुद को अनुशासित और व्यवहार कुशल बनाना होगा। अब नागरिक उड्डयन महानिदेशक को खराब मौसम की स्थिति के कारण उड़ान रद्द होने और देरी के मद्देनजर असुविधा को कम करने के तमाम इंतजाम करने चाहिए। दिनों-दिन बढ़ती विमानन सेवा के समय विमानन प्रबंधन-संचालन को शालीनता के अनुरूप सुधारना बहुत जरूरी हो गया है। किसी फ्लाइट को ज्यादा लेट करने के बजाय समय रहते रद्द कर देना ज्यादा तार्किक व मानवीय होगा। यात्रियों को लगातार संदेश भेजते हुए विश्वास में लिए रखना भी अनिवार्य होना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

जीवन संवारने का माध्यम ही बना रहे धर्म

विश्वनाथ सचदेव

अब राहुल गांधी पूर्व से पश्चिम की यात्रा पर हैं। उनकी पिछली यात्रा 'भारत जोड़ो यात्रा' के नाम से हुई थी। उस यात्रा के परिणामस्वरूप भारत कितना जुड़ा इसका कोई आकलन अभी हुआ नहीं है। हां, इस यात्रा से राहुल गांधी की छवि अवश्य कुछ सुधरी है। हो सकता है अब पूरब-पश्चिम वाली 'भारत जोड़ो न्याय-यात्रा' से उनकी छवि कुछ और सुधरे। अभी तो शुरुआत है, आगे-आगे देखिए होता है क्या। लेकिन इतना तो अवश्य कहा जा सकता है कि इस दूसरी यात्रा का कदम आगे बढ़ाने में कांग्रेस से कुछ देरी अवश्य हो गयी है। पिछली यात्रा वाला जोश और उसे तब मिला प्रतिसाद अब दिखेगा या नहीं पता नहीं। इस तरह की यात्राओं को नाम कुछ भी दिया जाये, उनके राजनीतिक उद्देश्य को नकारा नहीं जा सकता। लगभग तीन दशक पहले लालकृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी ने एक रथ-यात्रा प्रारंभ की थी। उस यात्रा का घोषित उद्देश्य अयोध्या में 'भव्य-दिव्य राममंदिर' की स्थापना कहा गया था। आज वह मंदिर बन चुका है। लेकिन क्या यही उद्देश्य था उस यात्रा का? इन तीन दशकों में देश की राजनीति में भाजपा का जो स्थान बना है, उसमें लालकृष्ण आडवाणी की रथ-यात्रा के योगदान को नकारना देश की राजनीति और देश के 'मूड' को न समझना ही होगा। यह बात भी किसी से छिपी नहीं है कि तब अयोध्या के राम-मंदिर को राजनीति से जोड़ने की बात भाजपा के नेतृत्व ने छिपाने की कोशिश भी नहीं की थी। अयोध्या में भव्य राम मंदिर की स्थापना इस देश की आस्था से जुड़ी है। देश की अस्सी प्रतिशत आबादी के आराध्य हैं श्रीराम। राम मंदिर का निर्माण इस आबादी के विश्वासों-निष्ठाओं की एक अभिव्यक्ति भी है। लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि अयोध्या में आज जो कुछ हो रहा है, उसका राजनीतिक लाभ भी संबंधित पक्षों को मिलेगा। ऐसा नहीं है कि कांग्रेस इस बात को समझती नहीं थी, पर उसे समझकर आवश्यक कदम उठाने में वह विफल हो गयी है। बेहतर होता कांग्रेस राम मंदिर के न्यासियों का निमंत्रण स्वीकार करती, समारोह में जाती और साथ ही इस मामले के राजनीतिकरण का विरोध भी करती। इस राजनीतिकरण की आलोचना वह अवश्य कर रही है, पर इसका राजनीतिक लाभ उठाने वालों के इरादों को पूरा न होने देने के लिए जिस राजनीतिक चतुराई की आवश्यकता अपेक्षित है, देश की सबसे पुरानी पार्टी में इसका अभाव स्पष्ट दिख रहा है। राहुल गांधी की पूर्व-पश्चिम वाली यात्रा में विलंब और जोश में कमी भी इस अभाव को प्रदर्शित करती है। हमने अपने संविधान में पंथ-निरपेक्षता को एक आदर्श के रूप में स्वीकारा है। इसका अर्थ अधार्मिक होना नहीं, सब धर्मों को समान सम्मान देना है।

एक तरफ धर्म-निरपेक्षता हमारा आदर्श है तो दूसरी और सर्वधर्म समभाव भी। हमारा राष्ट्रपति, हमारा प्रधानमंत्री, हमारे राजनेता, हिंदू, मुसलमान, ईसाई, बौद्ध आदि धर्मों में विश्वास करने वाले हो सकते हैं, पर हमारे शासन का कोई धर्म नहीं है, शासन की दृष्टि में सब धर्म समान हैं। समान होने चाहिए। धर्म को राजनीति का हथियार बनाने का मतलब सांप्रदायिकता को बढ़ावा देना है, और सांप्रदायिकता हमारी मनुष्यता को भी चुनौती है। अयोध्या में भगवान राम के भव्य-दिव्य मंदिर के निर्माण का देश की जनता ने स्वागत ही किया है। इस संदर्भ में कुछ मुद्दों पर मतभेद हो सकते हैं, पर आज जो वातावरण देश में बना है वह सकारात्मक ही दिख रहा है। ज़रूरी है कि सकारात्मकता को बनाये रखा जाये। धर्म की राजनीति करने वालों को इस बात को समझना होगा कि सारे मतभेदों के बावजूद अयोध्या में रहने वाले मुसलमान मंदिर के निर्माण कार्य से भी जुड़े रहे हैं और मंदिरों के लिए आवश्यक वस्तुओं की व्यवस्था में भी योगदान देते रहे हैं। इस बात को नहीं भुलाया जाना चाहिए पूजा के फूल हो या मूर्तियों को पहनाये जाने वाले वस्त्र, इनका माध्यम भी मुख्यत- वहां के मुसलमान ही रहे हैं। यही नहीं देश में अनेक स्थानों पर मंदिर निर्माण के लिए एकत्र किए जाने वाले कोष में भी मुसलमानों ने योगदान दिया है। महत्वपूर्ण यह नहीं है कि कितना दिया गया, महत्वपूर्ण यह है कि योगदान किया गया। आपसी सहयोग की यह भावना बनी रहे इसके लिए ज़रूरी है कि अब मंदिर-निर्माण का राजनीतिक लाभ उठाने की कोई कोशिश न हो। धर्म के नाम पर देश के मतदाताओं को बांटा न जाये।

यह बात कहना आसान है और ऐसी अपेक्षा करना भी ग़लत नहीं है। पर हकीकत यह भी है कि आज हमारी राजनीति में ऐसे तत्व हैं जिनके लिए धर्म आस्था का नहीं, वोट जुटाने का माध्यम है। इन तत्वों से सावधान रहने की आवश्यकता है, और इन्हें असफल बनाने की ईमानदारी कोशिश करने की भी। धर्म हमारे सोच, हमारे जीवन को संबल देने के लिए है, राजनीतिक नफे-नुकसान का हिसाब-किताब करने के लिए नहीं। शायद इसी संदर्भ में यह कहा गया था कि देश के प्रधानमंत्री मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा जैसे आयोजन से न जुड़ें तो बेहतर रहता। इस संदर्भ में एक और सुझाव भी आया है। अयोध्या में मस्जिद-निर्माण से जुड़े कुछ लोगों का प्रस्ताव है कि देश के प्रधानमंत्री यदि मस्जिद के शिलान्यास-कार्य से भी जुड़ें तो इसके दूरगामी संकेत होंगे- स्वागत योग्य संकेत।यदि ऐसा होता तो यह राष्ट्र की एकता और समाज में स्वस्थ और सकारात्मक वातावरण के लिए एक ठोस कार्य सिद्ध हो सकता है। सिर्फ भारत-जोड़ो कहने से बात नहीं बनेगी, भारत की एकता को मज़बूत बनाने और बनाये रखने के लिए राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्र-हित के बारे में सोचना होगा। बात चाहे राहुल गांधी की यात्रा की हो या फिर प्रधानमंत्री के जगह-जगह जाकर राष्ट्र की एकता की दुहाई देने की, ज़रूरी यह है कि हमारी राजनीति अपने स्वार्थ के लिए धर्म की बैसाखी की मोहताज न हो। सच तो यह है कि धर्म को राजनीति से जोड़ने की कोशिश ही अपने आप में ग़लत है। धर्म जीवन को संवारने का माध्यम है इसे सत्ता की राजनीति से जोड़ना अपने आप में एक पाप है, एक अपराध है। रुकनी चाहिए यह प्रक्रिया। अपराध की सज़ा मिलनी चाहिए और पाप का प्रायश्चित होना चाहिए। अपनी-अपनी आस्था के नाम पर राजनीतिक स्वार्थों की सिद्धि का समर्थन नहीं किया जा सकता। नहीं किया जाना चाहिए।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लक्षित दिशा परिवर्तन से रचनात्मक विचार प्रवाह

रेनू सैनी

हम सभी ने बचपन से सदैव यह सुना है कि जितना अधिक हम काम पर फोकस करते हैं, उतना ही अधिक हम उसमें प्रवीण होते जाते हैं। लेकिन कई बार ध्यान को भटकाने से जीवन में अनेक उत्पादक एवं रोचक विचार मिलते हैं। यही उत्पादक एवं रोचक विचार नवप्रवर्तन की ओर मुड़ते हैं। ध्यान भटकाने के लिए स्कैटर फ़ोकस शब्द का प्रयोग किया जाता है। 'स्कैटर फ़ोकस' जान-बूझकर मस्तिष्क को भटकाने की प्रक्रिया है। क्रिस बेली ने 'हाइपर फ़ोकस' नामक एक पुस्तक लिखी है। 'स्कैटर फ़ोकस' के संदर्भ में उनका कहना है कि, 'स्कैटर फ़ोकस का अभ्यास वास्तव में आपको अपना ध्यान केंद्रित करने की क्षमता में सुधार करने में मदद कर सकता है।' कई बार जब हम एक ही जगह पर ध्यान केंद्रित करते हैं तो हमें कोई नवीन मार्ग नहीं सुझाई देता। लेकिन जैसे ही हम अपना ध्यान वहां से हटाते हैं और उसे भटकाते हैं तो अचानक ही अनेक रचनात्मक प्रक्रियाएं मस्तिष्क में गूंजने लगती हैं। गुजरात के अमित दोशी एक कॉर्पोरेट कम्पनी में अपशिष्ट प्रबंधन का कार्यभार संभालते थे। वे अपने कार्य में बहुत ही फोकस थे। कार्य में ध्यानमग्न होने के कारण उन्हें किसी और चीज का होश ही नहीं रहता था। एक दिन उन्होंने अपने कार्य से इतर कुछ देर के लिए आसपास भ्रमण करने का निर्णय लिया। मार्ग में उन्होंने देखा कि कहीं पर जल की अधिकता है तो कहीं पर जल व्यर्थ बह रहा है और कहीं पर लोग पानी के लिए लड़ रहे हैं। बस यही वह क्षण था जब स्कैटर फ़ोकस की स्थिति में उन्होंने एक आविष्कार का निर्णय लिया। यह आविष्कार था वर्षा जल संचयन फिल्टर। अमित दोशी ने इस पर लगातार काम करना आरंभ किया और नीरेन नामक एक छत पर वर्षा जल संचयन फिल्टर का आविष्कार किया। इसकी रख-रखाव लागत बहुत न्यूनतम है। इसमें किसी मानवीय हस्तक्षेप की आवश्यकता भी नहीं है। अभी तक इस उपकरण ने 10 करोड़ लीटर पानी को बचाने में मदद की है। वर्ष 2017 में उन्होंने 17 साल के लंबे कार्यकाल के बाद अपनी नौकरी छोड़ दी थी। जब उन्होंने वर्षा जल संचयन फिल्टर का आविष्कार करने का निर्णय लिया तो इसके लिए उन्होंने पर्यावरण के विभिन्न क्षेत्रों में शोध किए। कुछ महीनों के शोध के बाद उन्होंने वर्षा जल संचयन की दिशा में काम करने का निर्णय किया। उन्होंने यह निर्णय वर्षा जल संचयन प्रणालियों और उनकी कार्यक्षमता से संबंधित कई मुद्दों को समझने के बाद किया। उन्होंने पाया कि पारंपरिक प्रणालियां महंगी थीं और सेटअप के लिए जगह की आवश्यकता थी। इसके साथ ही इनमें उच्च रख-रखाव लागत खर्च आता था। कई बार इनमें खराबी होने पर प्लंबर या पेशेवर की आवश्यकता होती है। इन सभी मुद्दों के समाधान के लिए अमित ने नीरेन प्राइवेट लिमिटेड के तहत एक रखरखाव-मुक्त और लागत प्रभावी दो-चरणीय छत वर्षा जल संचयन प्रणाली, नीरेन का निर्माण किया। इस उपकरण को एक हजार से अधिक घरों में स्थापित किया जा चुका है। इसका निर्यात विदेशों में भी किया गया है। इस उपकरण की सहायता से अभी तक दस करोड़ लीटर पानी संचयन हो चुका है। सवाल है कि आखिर स्कैटर फ़ोकस विधि के इतनी अधिक उत्पादक एवं रचनात्मक होने के क्या कारण हैं। दरअसल, जब हमारा मन भटकता है तो वह तीन मुख्य स्थानों की ओर प्रवाहित होता है। ये तीन स्थान हैं—अतीत, वर्तमान एवं भविष्य। अतीत,

वर्तमान एवं भविष्य तीनों समय पर आधारित हैं। प्रत्येक समय की उपस्थिति हमें अनेक बातों से परिचित कराती है और इस दौरान हम कई अनुभवों से होकर गुजरते हैं। ये अनुभव कई बार इतने अधिक रचनात्मक होते हैं कि व्यक्ति को कुछ कर गुजरने के लिए प्रेरित कर देते हैं। स्कैटर फ़ोकस दरअसल, आत्मजागरूकता उत्पन्न करता है। अधिक गहराई के साथ नई योजनाओं का सृजन करता है। योजनाओं और सार्थक अनुभवों को अधिक प्रभावशाली तरीके से याद रखने और उनमें उचित सुधार की गुंजाइश उत्पन्न करता है । दूसरों के प्रति समानुभूति और सहानुभूति दोनों ही भावों को उत्पन्न करने में सिद्ध होता है। इस प्रकार स्कैटर फोकस मोड व्यक्ति के लिए कई मायनों में बेहद सहायक सिद्ध होता है। कोई भी व्यक्ति स्कैटर फ़ोकस को निम्न तीन चरणों में बांटकर अपनी समस्याएं सुलझा सकता है।

पहला आत्मसात मोड : इसके अंतर्गत अपने मन को उन्मुक्त रूप से भटकने दें और जो भी विचार मन में आए, उसे तुरंत आत्मसात कर कहीं पर लिख लें।

समस्या चिंतन मोड : सब कार्यों को छोड़कर अपनी समस्याओं को ध्यान में रखें और फिर उनसे संबंधित विचारों को एक डायरी में लिख लें।

आदतन मोड : इस मोड को सबसे शक्तिशाली बताया गया है। इस मोड में व्यक्ति महत्वपूर्ण कार्यों पर फोकस करना छोड़ कर सरल कामों में जुट जाता है और कई बार बिल्कुल आरामदायक अवस्था में वह ऐसी चीजें खोज लेता है जो लाख एकाग्रता केंद्रित करने पर भी नहीं मिलतीं।

विचार मंथन

नगरीय निकायों को सीधे फंड उपलब्ध कराये सरकार

(लेखक - सनत जैन)

नगरीय निकायों की आर्थिक स्थिति बहुत खराब है। कुछ इसी तरीके की स्थिति ग्राम पंचायतों की भी बनी हुई है। केंद्र सरकार एवं राज्य सरकारों से जो राशि नगरीय निकायों और ग्राम पंचायत के लिए उपलब्ध कराती है। उस राशि पर राज्य सरकार का नियंत्रण और राज्य सरकार के अधिकारियों द्वारा नियंत्रण और निर्णय लिए जाने के कारण पंचायती निकाय एवं नगरी निकाय संस्था लगातार कमजोर होती चली जा रही हैं। ग्राम पंचायत को ग्राम पंचायत क्षेत्र, जनपद और जिले के अनुसार निर्णय लेने की स्वतंत्रता संविधान ने दी है। 73 और 74वें सं विधान संशोधन में ग्राम पंचायतों और नगर पालिकाओं को सबसे सशक्त बनाया गया है। दसवें वित्त आयोग से ही उन्हें सशक्त बनाने के लिए निर्णय लिए गए, लेकिन धीरे-धीरे इस पर राज्य सरकारों में अपना शिकंजा कस लिया राज्य सरकारों द्वारा नगरीय निकायों और पंचायतों को जो राशि केंद्र एवं राज्य सरकार से प्राप्त होती है। उस राशि का बंटवारा मनमाने तरीके से किया जाने लगा है। जिसके कारण स्थानीय संस्थाओं की आर्थिक स्थि ति दिनों दिन खराब होती चली जा रही है। 15वें वित्त आयोग से मिली राशि को राज्य सरकारों द्वारा नियम और प्रक्रियाओं से अवरुद्ध कर दिया जाता है। स्थानीय निकायों के खर्च और नगरीय निकाय के निर्णय लेने पर तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए गए हैं। मध्य प्रदेश जैसे राज्य में जब चुंगी खत्म की गई थी, उस समय नगरीय निकायों को आ र्थिक क्षतिपूर्ति दिए जाने का एक सिस्टम बनाया गया था। पिछले 10 वर्षों से इसमें कोई वृद्धि नहीं की गई। स्थानीय संस्थाओं में जो विकास कार्य चल रहे हैं। वह केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा निर्धारित किए जा रहे हैं। स्थानीय संस्थाओं के ऊपर कर्ज का बोझ भी लगातार बढ़ता जा रहा है। संविधान के अनुसार लोक प्रशासन की सबसे छोटी इकाई ग्राम पंचायत और नगरीय निकायों की स्वतंत्रता धीरे-धीरे खत्म होती जा रही है। स्थानीय निकाय राज्य सरकार और केंद्र सरकार के ऊपर आश्रित होकर रह गए हैं। स्थानीय संस्थाओं द्वारा जो निर्णय लिए जाने थे, अब वह सरकार और उनके अधिकारियों द्वारा लिए जा रहे हैं। इसमें निर्वा चित जनप्रतिनिधियों के अधिकारों का भी हनन हो रहा है। साथ ही स्थानीय संस्थाओं की वित्तीय स्थिति भी दिनों दिन गड़बड़ा रही है। नगरीय निकायों में कर्मचारियों के वेतन का भुगतान नहीं हो पा रहा हैं। विकास के कार्य नहीं हो पा रहे हैं। अब तो साफ सफाई जैसे मामले में भी नगरीय निकायों को आर्थिक बदहाली का शिकार होना पड़ रहा है। आम नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं भी नगरीय निकाय उपलब्ध नहीं करा पा रहे हैं। कुछ इसी तरीके की स्थिति अब पंचायतों में भी बनने लगी है। 16 में वित्त आयोग की अनुशंसा के अनुसार स्थानीय निकायों को वे रोक- टोक सीधे फंड उपलब्ध कराने की व्यवस्था सुनिश्चित करने की व्यवस्था की गई है।

लेकिन इसका अभी पालन नहीं हो पा रहा है। केंद्र एवं राज्य सरकारें स्थानीय निकायों के संबंध में नियम और कानून बनाकर उन्हें नियंत्रित करने लगे हैं। जिसके कारण स्थानीय संस्थाओं की स्वायत्तता दिनों दिन कम होती जा रही है। यदि इस स्थिति में तुरंत सुधार नहीं किया गया तो स्थानीय निकाय काफी कमजोर हो जाएंगे। इसका खामियाजा केंद्र एवं राज्य सरकारों को जनता की नाराजी के रूप में भुगतना पड़ सकता है। केन्द्र एवं राज्य सरकारों को स्थानीय संस्थाओं को लोकप्रशासन की दृष्टि से मजबूत बनाने की जरुरत है। केन्द्र एवं राज्य सरकारें स्थानीय संस्थाओं को जितना मतबूत आ र्थिक एवं प्रशास निक दृष्टि से करेंगी, देश का विकास भी उसी ग ति से होगा। सरकार का हस्तक्षेप

कम और स्थानीय सहभा गिता बढ़ाने से स्थानीय विकास की गति तेज होगी। यह हमें समझना होगा।

नोवा एग्रीटेक लिमिटेड का सोमवार को आ रहा है आईपीओ

मुंबई । शेयर बाजार में निवेशकों के लिए कमाई का एक और मौका मिलने आने वाल है। एग्रीकल्चर इनपुट बनाने वाली कंपनी नोवा एग्रीटेक अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग यानी आईपीओ (आईपीओ) अगले सप्ताह ला रही है। इसका आईपीओ 22 जनवरी 2024 को खुलेगा। इसमें निवेशक 24 जनवरी तक बोली लगा सकते हैं। दरअसल तेलगांना की नोवा एग्रीटेक यह आईपीओ 144 करोड़ रुपये का है। इसके लिए कंपनी ने प्राइस बैंड 39-41 रुपये प्रति शेयर तय किया है। इस आईपीओ के तहत 112 करोड़ रुपये तक के नए शेयर जारी किए जाएंगे। इसके अलावा इसमें एक शेयरधारक नुतलापति वेंकटसुब्बाराव द्वारा 77.58 लाख इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) लाई जाएगी। उनके पास कंपनी की 11.9 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यदि प्राइस बैंड का ऊपरी स्तर मूल्य होता है, तब कंपनी को इसके जरिये 143.81 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। कंपनी ने अपने आईपीओ का आधा हिस्सा क्लालिफाइड इंस्टीच्यूशनल बायर्स के लिए रिजर्व किया गया है। नॉन इंस्टीच्यूशनल बायर्स के लिए 15 फीसदी हिस्सा सुरक्षित किया गया है। आईपीओ का 35 फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशक के लिए सुरक्षित रखा गया है। यदि सबकुछ योजनानुसार चला तब आगामी 30 जनवरी को इसकी लिस्टिंग बीएसई और एनएसई में हो जाएगी। नोवा एग्रीटेक की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत है। साल 2022-23 में कंपनी का शुद्ध मुनाफा कसोलिडेटेड बेसिसल पर करीब 50 प्रतिशत बढ़कर 20 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया था। कंपनी का इस साल रेवेन्यू भी 13.4 फीसदी बढ़ कर 210 करोड़ रुपये से ज्यादा रहा था। इस साल कंपनी का ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 39.3 फीसदी बढ़कर 38.7 करोड़ रुपये हो गया था। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से सितंबर के दौरान कंपनी ने कंसोलिडेटेड बेसिस पर 103 करोड़ रुपये का रेवेन्य और 10 करोड़ रुपये से ज्यादा का नेट प्रोफिट अर्जित किया है।

भारतीय मोबाइल इंडस्ट्री के लिए चुनौती बनी सरकार की टैरिफ नीति

नई दिल्ली । सरकार की टैरिफ नीति भारतीय मोबाइल इंडस्ट्री के लिए चुनौती बन रही है। इसमें एप्पल का दबदबा भी सामने आ रहा है। दरअसल यही वजह है कि एक समय तेजी से बढ़ रहा भारतीय मोबाइल फोन बाजार अब मंदी का सामना कर रहा है। वित्त वर्ष 2024 में बिक्री वित्त वर्ष 2023 के समान 33 बिलियन रहने की उम्मीद है। 1.4 अरब की आबादी में 1,150 मिलियन फोन के साथ, मोबाइल की पहुंच 83 प्रतिशत से अधिक है। ग्रोथ रेट, जो वित्त वर्ष 2015 से वित्त वर्ष 19 तक 21 प्रतिशत थी, वित्त वर्ष 2020 से वित्त वर्ष 23 तक गिरकर 4.8 प्रतिशत हो गई है और वित्त वर्ष 24 से वित्त वर्ष 27 तक 3.8 प्रतिशत होने का अनुमान है। मोबाइल उत्पादन के लिए मैटी के बड़े लक्ष्य थे, जिसमें वित्त वर्ष 26 तक 126 बिलियन का लक्ष्य था, जिसमें निर्यात का एक बड़ा हिस्सा शामिल था। लेकिन अब उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) स्कीम के प्रभाव के बावजूद, इन लक्ष्यों को पूरा करने को लेकर अनिश्चितताएं हैं। बता दें कि पीएलआई स्कीम के कारण निर्यात बेहतर हो रहा है, लेकिन चिंता है कि भारतीय मोबाइल निर्माता चीन और वियतनाम से कितना मुकाबला कर पाएंगे। कंपोनेंट पर हाई आयात शुल्क भारत को कम प्रतिस्पर्धी बनाते हैं। इंडियन सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) का कहना है कि इन टैरिफ में कटौती से वित्त वर्ष 2027 तक निर्यात 50 अरब डॉलर तक बढ़ सकता है। वहीं एप्पल मोबाइल निर्यात में एक बड़ा प्लेयर है, अप्रैल-दिसंबर 2023 में 66 प्रतिशत रहा है। ऐसे में सैमसंग जैसी अन्य कंपनियों और स्थानीय कंपनियों को निर्यात में अपना शेयर बढ़ाने की जरूरत बताई जा रही है। इसके लिए वित्त मंत्रालय को यह पता लगाना होगा कि कम टैरिफ के साथ दोनों वैश्विक कंपनियों को कैसे खुश किया जाए और टैरिफ के साथ स्थानीय व्यवसायों का समर्थन कैसे किया जाए। क्योंकि स्थानीय स्मार्टफोन बाजार मैच्योर है, जिसमें लगभग 800 मिलियन स्मार्टफोन और 300-350 मिलियन फीचर फोन हैं। वित्त वर्ष 2020 में स्मार्टफोन की बिक्री 200 मिलियन से घटकर 150-160 मिलियन हो गई, और लोग अब अपने फोन को 2-3 साल तक चलाते हैं क्योंकि वे स्तरीय तकनीक से लैस और महंगे हैं।

उत्पादन आधारित प्रोत्साहन में आवंटन रहेगा लक्ष्य से कम

नई दिल्ली।

कपड़ा और स्टील की पीएलआई योजना में ज्यादा प्रगति नहीं दिखी है। कुछ मामलों में परियोजना की अवधि इस साल के अंत तक पूरी होगी, जिसके बाद वित्त वर्ष 2025 से प्रोत्साहन का दावा किया जा सकेगा। कुछ पीएलआई योजनाओं के लिए आवेदन ही बहुत कम कंपनियों ने किया था। भारत को विनिर्माण का केंद्र बनाने के लिए वित्त वर्ष 2021 में 14 क्षेत्रों से जुड़ी पीएलआई योजनाएं शुरू की गई थीं। मगर वित्त वर्ष 2023 में केवल 2,874 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, जो 1.97 लाख करोड़ रुपये की कुल योजना राशि का 1.3 फीसदी ही है।सरकार ने अपनी महत्त्वाकांक्षी उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत चालू वित्त वर्ष में 11,000 करोड़ रुपये से अधिक आवंटन का लक्ष्य रखा था मगर वास्तविक आवंटन इससे बहुत कम रह जाने की आशंका है। मामले से वाकिफ लोगों ने यह जानकारी दी। प्रोत्साहन आवंटन कम रहने के कई कारण हैं जैसे कंपनियां सरकार द्वारा तय शर्तें पूरी नहीं करने के कारण प्रोत्साहन का दावा नहीं कर सकीं, आवेदन कम रहे और 14 पीएलआई योजनाओं में से कुछ में प्रगति बहुत धीमी रही।

सरकार ने 11,000 करोड़ रुपये का प्रोत्साहन दिए जाने का अनुमान लगाया था, जिसमें 6,000 करोड़ रुपये मोबाइल फोन विनिर्माण के लिए ही जाना था। मगर मोबाइल फोन विनिर्माण की पीएलआई योजना में करीब 1,000 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। अन्य योजनाओं के लिए भुगतान और भी कम रहा है। आवंटन की तस्वीर मार्च में साफ होगी,

जब ज्यादातर कंपनियां अपने बिल जमा करेंगी। मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने बताया, 'वित्त वर्ष 2024 के लिए 11,000 करोड़ रुपये से ज्यादा के आंवटन का लक्ष्य था। हमें ऐसा होता नहीं दिख रहा और संशोधित आंकड़े तैयार किए जा रहे हैं। कुल मिलाकर आंकड़े फिलहाल बहुत अच्छे नहीं हैं। इस बारे में तस्वीर फरवरी या मार्च तक साफ होगी क्योंकि ज्यादातर भुगतान उसी समय किया जाएगा।'

दूसरी श्रेणी के 14 शहरों में कई देशी और विदेशी ब्रांड ने खोली दुकान

मुंबई ।

पिछले साल जनवरी-सितंबर के दौरान 30 से अधिक प्रमुख खुदरा ब्रांड ने दूसरी श्रेणी के 14 शहरों में अपनी दुकानें खोली हैं। एक रिपोर्ट में बताया गया कि क्रोमा, अरमानी एक्सचेंज, मालाबार गोल्ड एंड डायमंड्स, रिलायंस स्मार्ट, तनिष्क, एच एंड एम, मार्क्स एंड स्पेंसर, जीएपी, स्टारबक्स, पिज्जा एक्सप्रेस और अंडर आर्मर सहित कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय खुदरा ब्रांड ने दूसरी श्रेणी के शहरों में अपनी खुदरा उपस्थिति बढ़ाई है। दूसरी श्रेणी के ये शहर चंडीगढ़, जयपुर, इंदौर, गोवा, मंगलौर, कोच्चि, लखनऊ, पटना, रांची, गुवाहाटी, भुवनेश्वर, विजवाड़ा, मैसुरु और कोयम्बटूर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर, 2023 तक दूसरी श्रेणी के इन 14 शहरों में कुल खुदरा रियल एस्टेट स्थल 2.9 करोड़ वर्ग फुट था। जयपुर, लखनऊ और चंडीगढ़ में 30 से 70 लाख वर्ग फुट तक खुदरा रियल एस्टेट क्षेत्र है।

समाचार एजेंसी आईएएनएस पर अडानी समूह का हुआ मालिकाना हक

मुंबई ।

देश के अरबपति उद्योगपति गौतम अदाणी के समूह ने मीडिया क्षेत्र में अपनी मौजूदगी मजबूत कर समाचार एजेंसी आईएएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का पूर्ण नियंत्रण अपने हाथ में ले लिया है। अडानी समूह की ओर से शेयर बाजारों को भेजी सूचना में अदाणी समूह ने पिछले महीने आईएएनएस में 50.50 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। अब समाचार एजेंसी में अडानी समूह की हिस्सेदारी मतदान अधिकार के साथ 76 प्रतिशत हो गई है। वहीं बिना मतदान अधिकार के उसकी हिस्सेदारी 99.26 प्रतिशत हो गई है। अडानी समूह ने सौदे पर पांच करोड़ रुपये खर्च किए हैं। समूह की प्रमुख कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लि. ने कहा, 15 दिसंबर, 2023 की हमारी पिछली सूचना के क्रम में हम सूचित करना चाहते हैं कि कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी एएमजी मीडिया नेटवर्क्स लिमिटेड (एएमएनएल) ने आईएएनएस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा ली है। इसमें कहा गया है कि शेयरों के आवंटन को आईएएनएस के बोर्ड ने 16 जनवरी, 2024 को हुई बैठक में मंजूरी दे दी थी। बात दें कि अदाणी समूह ने पिछले साल 15 दिसंबर को आईएएनएस में 50.50 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी। इस सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया था। आईएएनएस की अधिकृत शेयर पूंजी 11 करोड़ रुपये है। वित्त वर्ष 2022-23 में इसका राजस्व 11.86 करोड़ रुपये रहा था। अडाणी ने पिछले साल मार्च में क्विंटिलियन बिजनेस मीडिया के अधिग्रहण के साथ मीडिया कारोबार में कदम रखा था।

शेयर बाजार भारी गिरावट के साथ बंद, सेंसेक्स 1628 अंक और निफ़्टी 460 अंक गिरा

निवेशकों के 4.6 लाख करोड़ रुपये डूबे

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भारी गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के शेयर में गिरावट और अमेरिकी फेड दर में कटौती के उम्मीदों से कम होने से भी बाजार टूट गया। दिन भर के कारोबार के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 1628.01 अंक करीब 2.23 फीसदी गिरावट के साथ 71,500.76 अंक पर बंद हुआ।

वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी-50 भी 2.09 फीसदी तकरीबन 460.35 अंक नीचे आकर 21,571.95 पर बंद हुआ। आज लार्जकैप शेयरों में एचडीएफसी बैंक में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गयी। ये गिरावट इतनी थी कि तीसरी तिमाही में लभ बढ़कर 16,373 करोड़ रुपये पर पहुंचने के बाद भी बैंक के शेयर 8.46 फीसदी टूटे। इसके अलावा टाटा स्टील, कोटक बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, विप्रो, हिंडाल्को, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व और बजाज ऑटो के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी तरफ, सेंसेक्स की 6 कंपनियों के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये हैं। केवल एचसीएल टेक, इनफ़ोसिस,टीसीएस, टेक महिंद्रा और नेस्ले इंडिया के शेयरों में ही बढ़त रही जबकि पावर ग्रिड के शेयर सपाट पर के बंद हुआ। एचडीएफसी बैंक के तिमाही परिणामों में गिरावट के अलावा बैंकिंग क्षेत्र में भारी बिकवाली से भी बाजार पर दबाव आया।

चीन की तिमाही वृद्धि के आंकड़े के उम्मीदों से कम होने के बाद एशियाई बाजारों के गिरावट का असर भी घरेलू बाजार पर पड़ा। बड़े स्तर पर बिकवाली के कारण भी भारी गिरावट देखी गई।

इक्विटी बेंचमार्क निफ्टी 50 और सेंसेक्स में जून 2022 के बाद से ये बाजार में एक दिन में सबसे बड़ी गिरावट देखी गयी। कारोबार के दौरान मिड और स्मॉल-कैप इंडेक्स में भी गिरावट आई पर बेंचमार्क इंडेक्स की तुलना में उनकी गिरावट कम रही। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 1.09 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ, जबकि बीएसई स्मॉलकैप इंडेक्स 0.90 फीसदी फिसलकर बंद हुआ। बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का कुल बाजार पूंजीकर पिछले सत्र के लगभग 375 लाख करोड़ रुपये से कम होकर 370.4 लाख करोड़ पर फिसल गया, जिससे निवेशकों को एक ही कारोबारी सत्र में तकरीबन 4.6 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार गिरावट के साथ खुला। सप्ताह के तीसरे कारोबारी दिन एशियाई और अन्य बाजारों से मिले कमजोर संकेतों से भारतीय बाजार पर भी विपरीत प्रभाव पड़ा। वहीं अमेरिकी फेड दर में कटौती से भी बाजार पर दबाव आया। आज सुबह तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स हुए 71,998.93 पर खुला। वहीं इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ़्टी भी 21,822.70 पर खुला। लार्जकैप शेयरों में एचडीएफसी बैंक में सबसे अधिक नुकसान हुआ और तीसरी तिमाही में इसका लाभ बढ़कर 16,373 करोड़ रुपये पर पहुंचने के बावजूद शेयर 5 फीसदी से ज्यादा नीचे आये।

तेलंगाना में 12,400 करोड़ रुपये का निवेश करेगा अडानी समूह

हैदराबाद ।

देश के बड़े कारोबारी समूह अडाणी ग्रुप ने तेलंगाना में कई व्यवसायों में 12,400 करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की है। तेलंगाना सरकार ने बुधवार को इसकी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने दावोस में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम (डब्ल्यूईएफ) में अडाणी समूह के अध्यक्ष गौतम अडाणी से मुलाकात की। अडाणी समूह ने अगले कुछ वर्षों में तेलंगाना में निवेश के लिए राज्य सरकार के साथ चार एमओयू का आदान-प्रदान किया। हैदराबाद में आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, अडाणी ग्रीन एनर्जी 1,350 मेगावाट की दो पंप स्टोरेज परियोजनाएं स्थापित करने के लिए पाँच हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इतना ही नहीं अदाणी कनेक्स डेटा सेंटर चंदनवेल्ली में डेटा सेंटर परिसर स्थापित करने के लिए पाँच हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा। अंबुजा सीमेंट्स तेलंगाना में 60 लाख टन प्रतिवर्ष (एमटीपीए) की क्षमता वाली सीमेंट ग्राइंडिंग इकाई में 1,400 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। अडाणी एयरोस्पेस एंड डिफेंस हैदराबाद में अडाणी एयरोस्पेस और डिफेंस पार्क में काउंटर ड्रोन सिस्टम और मिसाइल विकास और विनिर्माण केंद्रों में एक हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगा।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने गौतम अडाणी को आश्वासन दिया है कि राज्य सरकार सभी परियोजनाओं के लिए आवश्यक सुविधाएं, बुनियादी ढांचा और सहायता प्रदान करेगी। वहीं कारोबारी गौतम अडाणी के हवाले से कहा गया है, तेलंगाना में नई सरकार बेहद निवेशक अनुकूल रही है और नई योजनाबद्ध नीतियों के साथ, अधिक निवेश आकर्षित करना चाहिए। अडाणी समूह शर्तों के साथ तेलंगाना में तेज गति से विकास करना जारी रखेगा।

इस मौके पर मुख्यमंत्री के साथ सूचना प्रौद्योगिकी एवं उद्योग मंत्री डी. श्रीधर बाबू भी थे। बैठक के दौरान अडाणी एयरोस्पेस एंड डिफेंस के अध्यक्ष और सीईओ, आशीष राजवंशी, प्रमुख सचिव आईटीईएंडसी, आईएंडसी जयेश रंजन और विशेष सचिव, निवेश संवर्धन, विष्णु वर्धन रेड्डी भी उपस्थित थे।

टीसीएस अपने 5 लाख कर्मचारियों को सिखाएगी एआई तकनीक

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर निर्यातक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) अपने पांच लाख कर्मचारियों को एआई तकनीक का प्रशिक्षण देगी। जानकारी के अनुसार इन सॉफ्टवेयर इंजीनियरों के कार्यबल को जेनेरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के आगामी अवसरों के लिए प्रशिक्षित करेगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। कंपनी द्वारा हाल ही में गठित 'एआई क्लाउड' इकाई के प्रमुख शिवा गणेशन ने मीडिया को बताया कि एक व्यावसायिक अवसर के रूप में जेनेरेटिव एआई अभी अपने शुरुआती दौर में है और इसका इस्तेमाल अभी कम हो रहा है। उन्होंने बताया कि कंपनी ग्राहकों के लिए जारी काम में तेजी लाने के लिए जेन एआई से प्राप्त जानकारी का इस्तेमाल कर रही है। बता दें कि कंपनी ने कुछ महीने पहले 250 जेनरेटिव एआई संचालित परियोजनाओं में शामिल होने की भी घोषणा की थी। गणेशन ने कहा कि अभी शायद इसका इस्तेमाल बहुत कम हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह बड़े बदलाव से पहले का दौर है। हम पूरक संपत्तियों और वृद्धि के बारे में भी बात करते हैं। इसके लिए कोई समयसीमा है, मुझे लगता है कि अभी इंतजार करें और देखें। आने वाली तिमाहियों में इसके सही परिणाम सामने आएंगे। उन्होंने कहा कि कार्यबल तैयार हो रहा है। आने वाले समय में पूरा संगठन स्वयं (जेन) एआई के लिए तैयार होगा।

5-10 रुपये तक कम हो सकते पेट्रोल-डीजल के दाम

चुनाव से पहले तोहफा दे सकती मोदी सरकार

नई दिल्ली ।

पेट्रोल-डीजल के दाम अगले माह कम हो सकते है। आम चुनाव से पहले तेल मार्केटिंग कंपनियां (ओएमसी) ऐसा कर सकती हैं। बताया जा रहा हैं कि कीमतों में 5 से 10 रुपये प्रति लीटर की गिरावट देखने को मिल सकती है। तेल कंपनियों के अधिकारी के अनुसार, अभी कंपनियां तकरीबन 10 रुपये अतिरिक्त मुनाफे पर बैठी हैं, इसकारण इस काम किया जा सकता। तेल कंपनियों के लिए कच्चा तेल खरीदना काफी सस्ता हो चुका है। जबकि अप्रैल 2022 के बाद ईंधन की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं किया गया है। देश की 3 बड़ी तेल मार्केटिंग कंपनियों का सम्मिलित रूप से लाभ 75,000 करोड़ रुपये को पार कर गया है। वित्त वर्ष 2023-24 की पहली और दूसरी तिमाही में तेल मार्केटिंग कंपनियों का मुनाफा तेज रहा है। बताया जा रहा हैं कि तीसरी तिमाही में भी मुनाफे का यह ट्रेंड जारी रह सकता है। नतीजों के बाद कंपनियां पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी कर सकती हैं। देश की तीनों ओएमसी में पर मालिकाना अधिकार केंद्र सरकार का है, वह इनकी प्रमोटर भी है। जारी वित्त वर्ष की 2 तिमाहियों में इन तीनों कंपनियों का कुल लाभ 57,091.87 करोड़ रुपये रहा है। यह पूरे वित्त वर्ष 2022-23 के कुल 1,137.89 करोड़ के मुनाफे के मुकाबले 4,917 प्रतिशत अधिक है।

हिन्दुस्तान पेट्रोलियम 27 जनवरी को तीसरी तिमाही के नतीजे जारी करेगी। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसी) और भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) भी इसके आसपास अपने तिमाही नतीजे जारी कर सकते हैं। हालांकि,

एचपी को छोड़कर बाकी दोनों कंपनियों ने इस संबंध में कोई घोषणा नहीं की है। हालांकि, 3 सरकारी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि जरूर की है कि कीमतों में बदलाव होना लगभग तय है।

अगर पेट्रोल-डीजल सस्ता होता है, तब महंगाई भी काफी हद तक घटेगी। माल ढुलाई का खर्च गिरेगा जिससे एक राज्य से दूसरे राज्य में खाद्य वस्तुओं को पहुंचाना सस्ता होगा।

सुपरकंप्यूटिंग और क्वांटम हब बनाने भारत सरकार लगाएगी 10 हजार करोड़ रुपये

नई दिल्ली ।

भारत सरकार प्राइवेट सेक्टर के सहयोग से सुपरकंप्यूटिंग और क्वांटम कंप्यूटिंग हब बनाने जा रही है। इसके निर्माण के लिए 10,000 करोड़ रुपये तक खर्च करने की योजना तैयार हो रही है। मी डिया में आई खबर के अनुसार 18 और 19 जनवरी को ग्लोबल एआई समिट में सरकार शक्तिशाली कंप्यूटरों के लिए हब बनाने पर बात करेगी। ये हब स्टार्टअप्स और कंपनियों को पट्टे पर या कंप्यूटर-एज-ए-सर्विस मॉडल द्वारा कंप्यूटर का उपयोग करने देंगे। क्वांटम कंप्यूटिंग हब हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशन और सरकारी रिसर्च केंद्रों में शुरू होंगे और इन्हें पूरी तरह विकसित होने में लगभग 10 साल लग सकते हैं। गौरतलब है कि अप्रैल 2023 में, केंद्रीय मंत्रिमंडल ने क्वांटम टेक्नॉलजी में रिसर्च और डेवलपमेंट को बढ़ाने के लिए 2023-24 से 2030-31 तक 6,003.65 करोड़ रुपये आवंटित करते हुए राष्ट्रीय क्वांटम मिशन को मंजूरी दे दी है। हालों कि 2020 के बजट में घोषित इस कार्यक्रम में लगभग दो साल की देरी हुई। एक रिसर्च रिपोर्ट के अनुसार, क्वांटम टेक्नॉलजी से संबंधित लगभग 100 सरकार समर्थित परियोजनाएं वर्तमान में प्रगति पर हैं। बताया जा रहा है कि इन टेक्नॉलजी के उपयोग से 2030 तक भारतीय अर्थव्यवस्था को बड़ा बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। एनक्यूएम के एक भाग के रूप में, सरकार क्वांटम कंप्यूटिंग और मटेरियल जैसी चीजों के लिए चार हब (टी-हब) बनाना चाहती है।

वे एआई और नई तकनीकों वाली भारतीय कंपनियों की मदद के लिए 25,000 जीपीयू का एक समूह बनाने के बारे में भी सोच रहे हैं। आगामी घोषणा में एआई पर 7 वर्किंग ग्रुप के विचारों को मंजूरी देने की संभावना है। इन विचारों में डेटा प्रबंधन, एक राष्ट्रीय एआई केंद्र बनाना, कौशल-निर्माण पहल और जिम्मेदारी से एक राष्ट्रीय एआई रणनीति को लागू करना भी शामिल हैं।

चीन के मुकाबले तेजी से बढ़ रही भारतीय अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली ।

चीनी अर्थव्यवस्था भारत के मुकाबले काफी बड़ी है, मगर उसके बढ़ने की गति भारत की तुलना में काफी धीमी है। ताजा खबर है कि चीनी अर्थव्यवस्था बीती अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में तेज रफ्तार से बढ़ी, लेकिन सालाना रफ्तार पर बहुत असर नहीं दिखा। 2023 में यह 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी, इसकारण चीन सरकार ने 2023 में 5 प्रतिशत की आर्थिक वृद्धि दर का लक्ष्य पार कर लिया।

बुधवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, चीनी अर्थव्यवस्था 2023 में 5.2 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। सरकार ने 2023 के लिए आर्थिक वृद्धि का लक्ष्य पांच प्रतिशत तय किया था। बीते साल यानी 2023 की आर्थिक वृद्धि दर को काफी हद तक 2022 के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों से मदद मिली है। 2022 में चीन की वृद्धि दर 3 प्रतिशत रही थी। बीते साल की चौथी अक्टूबर-दिसंबर की तिमाही में चीन की जीडीपी वृद्धि दर सालाना आधार पर 5.2 प्रतिशत रही है। इसकी तुलना यदि भारत की जीडीपी से करें तब यह 7.3 प्रतिशत की दर से बढ़ी है। जबकि पिछले वित्त वर्ष के दौरान 7.2 प्रतिशत की गति से बढ़ी थी। नेशनल स्टैटिकल ऑफिस (एनएसओ) द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, असल में भारत की जीडीपी ग्रोथ 7.3 प्रतिशत की गति से बढ़ रही है। यह एनएसओ का पूर्वानुमान है।

रिपोर्ट के अनुसार, 10 जनवरी को गांधीनगर में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने विश्वास जताया कि भारत वित्त वर्ष 2027-28 तक 5 लाख करोड़ डॉलर से अधिक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के साथ दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अभी चीन की जीडीपी 17.73 लाख करोड़ डॉलर है, जबकि भारत की जीडीपी अभी 3.18 लाख करोड़ डॉलर की है। देश की अर्थव्यवस्था 2024-25 में 4,000 अरब डॉलर के पार हो जाने की उम्मीद है। वहीं 2026-27 तक इसके बढ़कर 5,000 अरब डॉलर होने का अनुमान है। उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने अपनी रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया है कि भारतीय रिजर्व बैंक 2024 के अंत तक सोच-विचार कर रेपो दर में एक प्रतिशत तक की कटौती कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत विकास का सबूत दिखा रही हैज उपयुक्त नीतिगत उपायों के जरिये आने वाले दिनों में वैश्विक अर्थव्यवस्था के समक्ष उत्पन्न जोखिम को कम करने को लेकर सतर्क रहने की जरूरत है।

बीते सप्ताह 1 हजार लोगों को नौकरी से निकालने के बाद गूगल फिर कर रहा है छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।

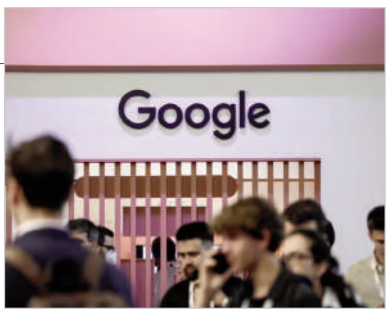

पिछले सप्ताह लगभग एक हजार कर्मचारियों को नौकरी से निकालने के बाद गूगल कथित तौर पर चल रहे पुनर्गठन के तहत अपनी विज्ञापन बिक्री टीम में कुछ सौ और नौकरियों में कटौती कर रहा है। गूगल ने पिछले साल अक्टूबर में अपनी एलसीएस टीम से कुछ कर्मचारियों को निकाल दिया था। कंपनी के एक प्रवक्ता के हवाले से कहा गया, हर साल हम अपने विज्ञापन ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवा प्रदान करने के लिए अपनी टीम की संरचना करने के लिए एक कठोर प्रक्रिया से गुजरते हैं।छंटनी मुख्य रूप से गूगल की बड़ी ग्राहक बिक्री (एलसीएस) इकाई को प्रभावित करेगी। यह टीम जो बड़े व्यवसायों को विज्ञापन बेचती है। गूगल ग्राहक समाधान टीम (जीसीएस), जो छोटे ग्राहकों को विज्ञापन बेचती है, अब मुख्य विज्ञापन बिक्री टीम बन जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार, गूगल के मुख्य व्यवसाय अधिकारी फिलिप शिंडलर ने एक ज्ञापन में कर्मचारियों को बताया कि ताजा नौकरी में कटौती गूगल की बिक्री टीम के संचालन के तरीके में बदलाव का परिणाम है। गूगल के एक प्रवक्ता ने भी पुष्टि की कि पुनर्गठन के हिस्से के रूप में वैश्विक स्तर पर कुछ सौ भूमिकाएँ समाप्त की जा रही हैं। प्रवक्ता ने कहा, हम ग्राहकों को उनकी सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सही विशेषज्ञ टीमों और बिक्री चैनलों से जोड़ते हैं। इसके हिस्से के रूप में, विश्व स्तर पर कुछ सौ भूमिकाएँ समाप्त की जा रही हैं और प्रभावित कर्मचारी गूगल में खुली भूमिकाओं या कहीं और आवेदन करने में सक्षम होंगे।

गूगल ने हाल ही में हार्डवेयर, सेंट्रल इंजीनियरिंग टीम और गूगल एसिस्टेंट सहित कई विभागों में कर्मचारियों की छंटनी की थी। पिछले साल जनवरी में, गूगल ने अपने कार्यबल में 12 हजार कर्मचारियों की कटौती की, जो उसके पूर्णकालिक कर्मचारियों का लगभग छह प्रतिशत है।

आईसीसी रैंकिंग : अक्षर पटेल और यशस्वी जायसवाल की शीर्ष 10 में एंट्री

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही श्रृंखला के शुरूआती दो मैच में प्रदर्शन की बदौलत भारत के बायें हाथ के स्पिनर अक्षर पटेल बुधवार को ताजा जारी आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ पांचवें स्थान पर पहुंच गए जबकि सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल भी छठे स्थान पर पहुंचने में सफल रहे।

भारत ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैच की श्रृंखला में पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में समान छह विकेट से जीत हासिल की जिसमें पटेल ने 23 रन देकर दो और 16 रन देकर दो विकेट प्राप्त किए। इससे वह आल राउंडर खिलाड़ियों की सूची में दो पायदान के उछाल से 16वें स्थान पर पहुंच गए।

जायसवाल ने पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 34 गेंद में 68 रन की पारी खेली थी जिससे उन्हें सात पायदान का फायदा हुआ और वह भी अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ छठी रैंकिंग पर पहुंच गए। वहीं बायें हाथ के बल्लेबाज शिवम दूबे लगातार 60 और 63 रन की अर्धशतकीय पारियों की बदौलत 265वें स्थान से उछलकर 58वें स्थान पर काबिज हो गए।

बल्लेबाज शुभमन गिल सात पायदान के लाभ से 60वें स्थान जबकि बायें हाथ के बल्लेबाज तिलक वर्मा तीन पायदान के फायदे से संयुक्त 61वें स्थान पर बने हुए हैं। बायें हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह चार पायदान के उछाल से 21वें स्थान पर पहुंच गये। अफगानिस्तान के खिलाड़ियों में नजीबुल्लाह जदरान (46) और मोहम्मद नबी (54) को बल्लेबाजी रैंकिंग में फायदा हुआ।

न्यूजीलैंड के फिन एलेन पाकिस्तान के खिलाफ 34 और 74 रन की पारियों से बल्लेबाजी रैंकिंग में 16वें स्थान पर पहुंच गए। उनके साथी टिम साउदी गेंदबाजी सूची में आठ पायदान के लाभ से 18वें नंबर पर पहुंचे। पाकिस्तान के स्टार बल्लेबाज बाबर आजम को न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार अर्धशतकों से एक पायदान का फायदा हुआ जिससे वह चौथे स्थान पर काबिज हैं।

पंड्या को मिल रही शिवम से टक्कर

इंदौर (एजेंसी)। टीम इंडिया के युवा ऑलराउंडर शिवम दुबे ने अब तक अफगानिस्तान के खिलाफ सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर गेंद और बल्ले से अपने को साबित किया है। भारतीय टीम को सीरीज में मिली बढ़त के पीछे भी शुभम ही हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के फिट नहीं होने के कारण इस सीरीज में शुभम को जगह मिली थी और उन्होंने अपने प्रदर्शन से चयन को सही साबित किया है।

शिवम ने केवल 2 मैच में ही पंड्या के एक रिकार्ड की बराबरी कर ली। वहीं पंड्या को यहां तक पहुंचने में 7 साल लग गए थे।

पंड्या ने टीम इंडिया में साल 2016 में अपना टी20 डेब्यू किया था। जिसके बाद से ही वह भारतीय टीम में नंबर एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर उभरे हैं। अब उन्हें शुभम से टक्कर मिली है। शुभम ने अफगानिस्तान के खिलाफ शुरुआती दो मैचों में तेजी से अर्धशतकीय पारियों के साथ ही साथ ही एक-एक विकेट भी लिया। इस प्रकार वह अर्धशतक के साथ विकेट लेने के मामले में हार्दिक से आगे निकल गए हैं। हार्दिक ने अपने टी20 करियर में केवल एक बार अर्धशतक के साथ विकेट लिया था। इसके अलावा शिवम ने केवल 13 पारियों में अर्धशतक के मामले में भी हार्दिक की बराबरी कर ली है.

शिवम ने साल 2019 में भारतीय टीम में अपना टी20 डेब्यू किया था. लेकिन 2020 में खराब प्रदर्शन के चलते वे टीम से बाहर हो गए थे। अब 4 साल बाद इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी की है। हार्दिक ने 71 टी20 पारियों में 3 अर्धशतक लगाए हैं जबकि शिवम ने 13 पारियों में ही 3 अर्धशतक लगा दिये। इससे साफ है कि शिवम यदि इसी प्रकार खेलते हुए रहे तो हार्दिक को अर्धशतक के मामले में पीछे छोड़ सकते हैं।

सुमित नागल ने विराट कोहली को दिया अपनी जीत का क्रेडिट, ऑस्ट्रेलियन ओपन में रचा था इतिहास

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टेनिस के स्टार खिलाड़ी सुमित नागल ने अपने करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि हासिल की है। टेनिस में नागल ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के पहले दौर में वर्ल्ड नंबर 27 अलेक्जेंडर बुब्लिक को माद देकर इतिहास रच दिया। सुमित नागल ने अपने जीत का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर स्टार विराट कोहली को दिया है।

सुमित ने सोनी स्पोर्ट्स को दिए इंटरव्यू में कहा कि उनकी कभी कभी विराट कोहली से बात होती है। उन्होंने कहा कि उनके लिए एक कल्पना करना मुश्किल है कि अगर जरूरत के समय कोहली ने उनकी मदद नहीं की होती तो उनकी जिंदगी कैसी होती।

सुमित नागल ने कहा कि, मैं कभी-कभी उनसे बात करता हैं। मैं उनकी फाउंडेशन का भी हिस्सा हूं। मैं उनकी तरफ से पिछले कई सालों से मिलने वाले सपोर्ट के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। आप जानते हैं किस भारतीय को क्रिकेट देखना पसंद नहीं होगा, मैं क्रिकेट को फॉलो करता हूं और जब भी मौका मिलता है तो जरूर देखता हूं।

बता दें कि नागल विराट कोहली की फाउंडेशन का हिस्सा हैं और साल 2019 में उन्होंने अपने एक बयान में बताया था कि कैसे उनके कठिन समय में उन्हें सहायता मिली थी। उस समय नागल को टूर्नामेंट में हिस्सा लेने के लिए इतने पैसे नहीं थे कि वो फ्लाइट टिकट तक बुक कर सकें।

उन्होंने बताया कि विराट कोहली का फाउंडेशन 2017 से मेरा समर्थन कर रहा है। मैं पिछले दो सालों से अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा था और पैसों की कमी का सामना भी कर रहा था। अगर कोहली मेरा समर्थन नहीं करते तो मुझे नहीं पता मेरे पास क्या होता।

फिन एलेन की 137 रन की रिकॉर्ड पारी, न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान से श्रृंखला जीती

नई दिल्ली (एजेंसी)। डुनेडिन (न्यूजीलैंड) ¬ फिन एलेन ने 62 गेंदों पर रिकॉर्ड 16 छक्कों की मदद से 137 रन बनाए जिससे न्यूजीलैंड ने बुधवार को यहां तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 45 रन से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 3-0 से अजेय बढ़त बनाई। एलेन ने किसी एक टी20 अंतरराष्ट्रीय पारी में 16 छक्के लगाने के अफगानिस्तान के हज़रतुल्लाह जजई के विश्व रिकॉर्ड की बराबरी की।

उन्होंने इस बीच टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में न्यूजीलैंड की तरफ से सर्वोच्च स्कोर का नया रिकॉर्ड बनाया। इससे पहले का रिकॉर्ड ब्रैंडन मैकुलम के नाम पर था जिन्होंने 2012 में बांग्लादेश के खिलाफ 123 रन की पारी खेली थी। हजरतुल्लाह ने 2019 में आयरलैंड के खिलाफ 62 गेंदों में 162 रन बनाकर टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक पारी में सर्वाधिक छक्के लगाने का रिकॉर्ड बनाया था।

एलेन की धुआंधार पारी की मदद से न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर 7 विकेट पर 224 रन बनाए। एलेन के अलावा टिम सीफर्ट (31) और ग्लेन फिलिप्स (19) ही दोहरे अंक में पहुंचे। पाकिस्तान की टीम इसके जवाब में 7 विकेट पर 179 रन ही बना पाई। पाकिस्तान पहले दो मैच में भी लक्ष्य का पीछा करने में नाकाम रहा था। उसे पहले मैच में 46 रन और दूसरे मैच में 21 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

पाकिस्तान के लिए यही अच्छी बात रही कि बाबर आजम ने श्रृंखला में लगातार तीसरा अर्धशतक जमाया। उन्होंने 58 रन बनाए और वह 16वें ओवर में पवेलियन लौटे। पाकिस्तान ने अपने पिछले आठ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में से केवल एक में जीत दर्ज की है।

ऑस्ट्रेलिया-भारत महिला टीमों के बीच हो सकती हैं तीन मैचों की टेस्ट सीरीज

मेलबर्न (एजेंसी)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को आने वाले समय में ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से तीन मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने का अवसर मिल सकता है। यह इसलिए क्योंकि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) चाहता है कि टीम को अधिक मैच खेलने को मिलें। सीएसए के मुख्य कार्यकारी निक हॉकले ने कहा कि वह भारत और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के आयोजन का विचार कर रही है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच अब तक केवल एक टेस्ट मैच की सीरीज होते है।

दोनों ही टीमों के बीच हाल में वानखेड़े स्टेडियम में एक टेस्ट मैच खेला गया था जिसमें भारतीय टीम को जीत मिली थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया की महिला टीमों के बीच साल 1984 के बाद ये पहला टेस्ट मैच भारत में खेला गया था। हॉकले ने कहा, 'हम महिला क्रिकेट में कई प्रारूपों की सीरीज खेलने के पक्ष में हैं। इसके तहत अधिक से अधिक टेस्ट मैच खेले जाने हैं। ऐसे में संभव है कि भविष्य में हम तीन टेस्ट मैच की 'मार्की श्रृंखला खेलें। यह मार्की श्रृंखला केवल इंग्लैंड और भारत से होगी। इससे दोनो की टीम को बेहतर होने के साथ ही दर्शकों को भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

यशस्वी और शिवम को केन्द्रीय अनुबंध दे सकती है बीसीसीआई

मुम्बई (ईएमएस)। युवा बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और ऑलराउंडर शिवम दुबे ने हाल में अपने प्रदर्शन से सबको प्रभावित किया है। यशस्वी जहां सलामी बल्लेबाज हैं, वहीं शिवम बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी भी करते हैं। ऐसे में अब माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) यशस्वी और शिवम को केन्द्रीय अनुबंध की सूची में शामिल कर सकती है। अभी तक यशस्वी ने खेल के तीनों ही प्रारुपों में अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में भी उन्होंने शानदार पारी खेली थी। वहीं शिवम ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और गेंदबाजी से भी सबका ध्यान खींचा है। दुबे ने लगातार दोनों मुकाबलों में तेजी से अर्धशतक लगाये। इससे अब वह हार्दिक पंड्या के सबसे बेहतर बैकअप के तौर पर उभरे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यशस्वी और शिवम ने अपने प्रदर्शन से बोर्ड को केंद्रीय अनुबंध में स्थान हासिल करने के लिए काफी प्रभावित किया है। इसी कारण चयनकर्ता और टीम प्रबंधन चाहते हैं कि शिवम अधिक से अधिक गेंदबाजी करें क्योंकि इससे एक खिलाड़ी के रूप में उनकी उपयोगिता बढ़ जाती है। यही कारण है कि वह इस सीरीज के दौरान अच्छी गेंदबाजी कर रहे हैं। यदि वे कुछ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी कर दें तो जून में होने वाले टी20 विश्व कप में उनकी जगह पक्की हो सकती है। ऐसे में यशस्वी और शिवम का लक्ष्य अफगानिस्तान सीरीज के बाद आईपीएल में बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा।

ऋषभ की आईपीएल में वापसी को लेकर उठा संदेह

-जिम में अभ्यास के दौरान कराहते नजर आये

नई दिल्ली। टीम इंडिया के आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आईपीएल 2024 में खेलने की संभावनाएं के बीच ही आये एक वीडिया से प्रशंसकों की चिन्ताएं बढ़ गयी हैं। ऋषभ कार हादसे के बाद से ही खेल से दूर हैं और उनके आईपीएल के 17 वें सत्र से वापसी की संभावनाएं हैं। वहीं इस क्रिकेटर ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया है, जिसमें वह जिम में दर्द से कराहते नजर आये। . ऋषभ को कार हादसे में कई गंभीर चोटें आई थी। इसी कारण उनके घुटने की भी सर्जरी हुई थी। इससे उनको चलने में भी कई दिनों तक मुश्किलों का सामना करना पड़ा। अब इसी चोट से पूरी तरह से उबरने के लिए वह जिम में जमकर पसीना बहा रहे हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर जिम का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे घुटने में दर्द के कारण कराह उठे। इस वीडियो से प्रशंसकों के दिलों की धड़कनें बढ़ी हुई हैं हालांकि इस क्रिकेटर ने जिम की एक रील साझा की है जिसमें वे काफी फिट नजर आ रहे हैं। आईपीएल में उनकी वापसी को लेकर अभी संदेह बना हुआ है। आधिकारिक तौर पर यह नहीं साफ हुआ है कि वह आईपीएल 2024 में दिल्ली की ओर से खेलेंगे या नहीं। पिछले सत्र उनकी जगह पर डेविड वॉर्नर ने दिल्ली की कप्तानी की थी। अब देखना होगा कि वह इस बार वापसी कर पाते हैं या नहीं।

जर्मनी को हराकर पेरिस ओलंपिक का टिकट कटाने उतरेगा भारत

रांची (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक में जगह बनाने से केवल एक जीत दूर खड़ी भारतीय महिला हॉकी टीम को एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर्स में अपने से अधिक रैंकिंग के जर्मनी के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले सेमीफाइनल में सफलता हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाना होगा। भारतीय टीम टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में अमेरिका से 0-1 से हार गई थी लेकिन इसके बाद उसने न्यूजीलैंड और इटली को हराकर पूल बी में दूसरे स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाई।

भारत ने पिछले दो मैच में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया और सविता पूनिया की अगुवाई वाली टीम जर्मनी के खिलाफ भी इसी तरह का खेल जारी रखने की कोशिश करेगी। इस टूर्नामेंट में शीर्ष पर रहने वाली तीन टीम इस साल होने वाले ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करेंगी। इस तरह से गुरुवार को जीत दर्ज करने पर भारतीय टीम का पेरिस का टिकट पक्का हो जाएगा। अगर भारतीय टीम इस मैच को जीतने में नाकाम रहती है तो उसे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का एक और मौका मिलेगा।

सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों के बीच तीसरे और चौथे स्थान के लिए शुक्रवार को मैच खेला जाएगा जिसमें जीत दर्ज करने वाली टीम ओलंपिक में जगह बनाएगी। भारतीय टीम को हालांकि जर्मनी के खिलाफ सकारात्मक सोच के साथ मैदान पर उतरना होगा। पिछले दो मैच में भारतीय रक्षापंक्ति ने शानदार प्रदर्शन किया। भारतीय रक्षापंक्ति में कप्तान सविता के अलावा उदिता, मोनिका और निक्की प्रधान ने अच्छा खेल दिखाया है। मध्य पंक्ति ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है। सलीमा टेटे अपनी तेज दौड़ से विरोधी टीमों को परेशान करती रही हैं जबकि नेहा गोयल ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है।

इन दोनों ने अग्रिम पंक्ति के लिए अच्छे मौके बनाए हैं। अग्रिम पंक्ति में लालरेम्सियामी, संगीता कुमारी, ब्यूटी डुंग डुंग और नवनीत कौर भी अपने बेहतरीन प्रदर्शन से टीम की उम्मीदों पर खरी उतरी हैं। भारत के लिए पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलना बड़ा मसला रहा है लेकिन इटली के खिलाफ पिछले मैच में उदिता ने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए। लेकिन जर्मनी की मजबूत टीम के खिलाफ केवल उदिता का प्रयास ही पर्याप्त नहीं होगा।

जहां तक जर्मनी का सवाल है तो वह पूल ए में सात अंक लेकर शीर्ष पर रहा। जापान के भी इतने ही अंक थे लेकिन जर्मनी का गोल अंतर बेहतर था। जर्मनी अभी विश्व रैंकिंग में पांचवें जबकि भारत छठे नंबर पर है। भारतीय टीम ने 2006 के बाद जर्मनी से सात मैच खेले हैं जिनमें से दो में उसे जीत मिली जबकि पांच मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा। लेकिन वर्तमान समय में हॉकी में रैंकिंग और अतीत के परिणाम केवल संख्या हैं और दोनों टीम एक दूसरे को कड़ी टक्कर देने में सक्षम हैं।

भारतीय कोच यानिक शोपमैन ने कहा, 'हम जर्मनी की टीम को अच्छी तरह से जानते हैं। हमने पिछली गर्मियों में और हाल में स्पेन में उनसे मैच खेले थे। उसके पास कुछ अच्छे खिलाड़ी हैं लेकिन अगर हम अपने खेल पर ध्यान देते हैं तो उन्हें हरा सकते हैं।' एक अन्य सेमीफाइनल में अमेरिका का सामना जापान से होगा।

जिंदगी कभी भी आसान नहीं होती : सानिया

नई दिल्ली। देश की शीर्ष महिला टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने पाकिस्तानी क्रिकेटर शोएब मलिक से तलाक की खबरों के बीच ही कहा है कि जिंदगी कभी भी आसान नहीं होती। इन दोनो के बीच पिछले कुछ समय से अलगाव की खबरें आती रही हैं पर दोनो में से किसी ने भी अभी तक इस बारे में खुलकर नहीं कहा है। हाल में जब सानिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से शोएब मलिक की सभी तस्वीरें हटा दी थी तब इन बातों को बल मिला था कि अब दोनो अलग हो गये हैं। वहीं अब सानिया ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शादी और तलाक से जुड़ी एक स्टोरी जारी की है। सानिया ने इसमें कहा कि शादी और तलाक के फैसले कठिन होते हैं। उन्होंने इस पोस्ट के जरिए यह भी संदेश दिया है कि जिंदगी कभी भी आसान नहीं होती है। तलाक की खबरों पर सानिया ने कभी खुलकर बात नहीं की है पर इस पोस्ट के जरिए ऐसा लगता है कि दोनों के बीच अब रिश्ता टूट गया है। वहीं तलाक की खबरों पर मलिक ने पहले कहा था कि लोगों को समझना होगा कि हम दो अलग देशों से संबंध रखते हैं और हमारी अपनी-अपनी प्रतिद्धताएं है। इसलिए एकदम से इस बारें में कुछ नहीं कहा जा सकता है। सानिया और मलिक की शादी साल 2010 में हुई थी और दोनो के एक बेटा है।

टी20 विश्व कप 2024 में वापसी करेंगे जोफ्रा आर्चर, पिछले साल से पेशेवर क्रिकेट से हैं दूर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड को उम्मीद है कि तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर कोहनी की चोट से उबरकर इस साल जून में होने वाले टी20 विश्व कप में खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। इंग्लैंड की 2019 में वनडे विश्व कप में जीत में अहम भूमिका निभाने वाले आर्चर ने पिछले साल मई से पेशेवर क्रिकेट में कोई मैच नहीं खेला है। दिसंबर में इंग्लैंड टीम के वेस्टइंडीज दौरे के दौरान उन्होंने हालांकि सीमित ओवरों की टीम के साथ अभ्यास किया था। इंग्लैंड के क्रिकेट निदेशक रॉब की ने कहा, 'हमारी योजना उसे टी20 विश्व कप के लिए तैयार करना है। हम इसके लिए उसे धीरे-धीरे तैयार कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'मैंने उसे वेस्टइंडीज में गेंदबाजी करते हुए देखा था और उसे देखकर लग रहा था जैसे वह खेल से बाहर ही ना रहा हो। मैं उसकी वापसी में जल्दबाजी नहीं करना चाहता हूं।' आर्चर इस साल इंडियन प्रीमियर लीग में भी नहीं खेल पाएंगे। उनकी फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने उन्हें 'रिलीज' कर दिया था।

नील ब्रांड की कप्तानी में न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज खेलेगी दक्षिण अफ्रीका

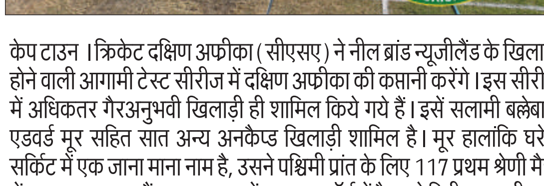

केप टाउन। क्रिकेट दक्षिण अफ्रीका (सीएसए) ने नील ब्रांड न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे। इस सीरीज में अधिकतर गैरअनुभवी खिलाड़ी ही शामिल किये गये हैं। इसें सलामी बल्लेबाज एडवर्ड मूर सहित सात अन्य अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल है। मूर हालांकि घरेलू सर्किट में एक जाना माना नाम है, उसने पश्चिमी प्रांत के लिए 117 प्रथम श्रेणी मैचों में 7743 रन बनाए हैं। वह इस सत्र में शानदार फॉर्म में है उसने डिवीजन 1 सीएसए 4-डे सीरीज़ में 51.75 की औसत से 414 रन बनाए हैं। वहीं बाएं हाथ के बल्लेबाज नील 1995 में पूर्व कीवी क्रिकेटर ली जर्मन के बाद अपने पहले टेस्ट मैच में ही अंतरराष्ट्रीय पुरुष टीम की कप्तानी करने वाले पहले खिलाड़ी होंगे। वहीं कीगन पीटरसन, जुबैर हमजा और डेविड बेडिंघम टीम में एकमात्र खिलाड़ी टीम में हैं, जो भारत के खिलाफ केपटाउन टेस्ट का भी हिस्सा थे। कुल आठ खिलाड़ियों में डुआन ओलिवियर सबसे अनुभवी हैं। माउंट माउंगानुई में 4 फरवरी को पहले टेस्ट में कीवी टीम से खेलने से पहले दक्षिण अफ्रीका 29 से 31 जनवरी तक न्यूजीलैंड इलेवन के खिलाफ अभ्यास मैच खेलेगा।

टीम इस प्रकार है- दक्षिण अफ्रीका टीम ¬ नील ब्रांड (कप्तान), डेविड बेडिंघम, रुआन डी स्वार्ड्ट, क्लाइड फोर्टुइन, जुबैर हमजा, एडवर्ड मूर, त्शेपो मोरेकी, मिहलाली मपोंगवाना, डुआने ओलिवियर, डेन पैटरसन, कीगन पीटरसन, डेन पिड्ट, रेनार्ड वान टोन्डर, शॉन वॉन बर्ग और खाया ज़ोंडो।

राष्ट्रीय चैम्पियनशिप को लेकर तदर्थ पैनल ने दिया बयान, हमारे टूर्नामेंट को ही वास्तविक माना जाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित करने का अधिकार केवल राष्ट्रीय महासंघ के पास होने के निलंबित भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के दावे के एक दिन बाद भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा नियुक्त तदर्थ पैनल ने कहा कि उसके द्वारा कराए जाने वाले टूर्नामेंट को ही वास्तविक माना जायेगा। तदर्थ पैनल ने यह भी स्पष्ट किया कि उसके द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रतियोगिता से ही पहलवानों को ही 'फायदा' मिलेगा।

डब्ल्यूएफआई ने चुनाव के बाद अपनी पहली कार्यकारी समिति की बैठक के बाद मंगलवार को घोषणा की थी कि वह 29 जनवरी से पुणे में राष्ट्रीय प्रतियोगिता करायेगा। डब्ल्यूएफआई ने कहा था कि उसके संविधान के अनुसार केवल महासंघ के पास ही राष्ट्रीय प्रतियोगिता के आयोजन का अधिकार है और तदर्थ पैनल के पास राष्ट्रीय चैम्पियनशिप कराने का कोई अधिकार नहीं है। डब्ल्यूएफआई को नियमों के उल्लंघन का हवाला देकर प्रतिबंधित करने वाले खेल मंत्रालय ने कहा कि डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित टूर्नामेंट को मान्यता नहीं दी जाएगी। पैनल प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा ने कहा, 'यह स्पष्ट किया जाता है कि सिर्फ रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड (आरएसपीबी) द्वारा आयोजित सीनियर राष्ट्रीय फ्रीस्टाइल, ग्रीको रोमन स्टाइल और महिला राष्ट्रीय कुश्ती चैम्पियनशिप 2023 ही वास्तविक है जो खेल मंत्रालय द्वारा स्वीकृत और मान्यता प्राप्त होगी तथा सभी सरकारी फायदे केवल इस राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को ही मिलेंगे।' डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह ने मंगलवार को कहा था कि वे मंत्रालय से निलंबन हटाने के लिए बातचीत करेंगे। एक महिला पहलवान ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, 'खेल अब एक मजाक बन चुका है। हम कहां जाएं? पहलवानों और खेल के फायदे के लिए इस सारे फसाद को खत्म किया जाना चाहिए।'

हरियाणा में एक अखाड़े के पहलवानों ने कहा कि वे पुणे में डब्ल्यूएफआई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। पहलवान ने कहा, 'हम पुणे जाएंगे, हम जयपुर नहीं जा रहे हैं जहां तदर्थ पैनल राष्ट्रीय प्रतियोगिता कराएगा।' तदर्थ पैनल जयपुर में दो से पांच फरवरी तक आरएसपीबी की मदद से राष्ट्रीय चैम्पियनशिप आयोजित कराएगा। दिलचस्प बात यह है कि आरएसपीबी के पूर्व सचिव प्रेम चंद लोचब ने हाल ही में हुए डब्ल्यूएफआई चुनावों में डब्ल्यूएफआई महासचिव का पद हासिल किया था।

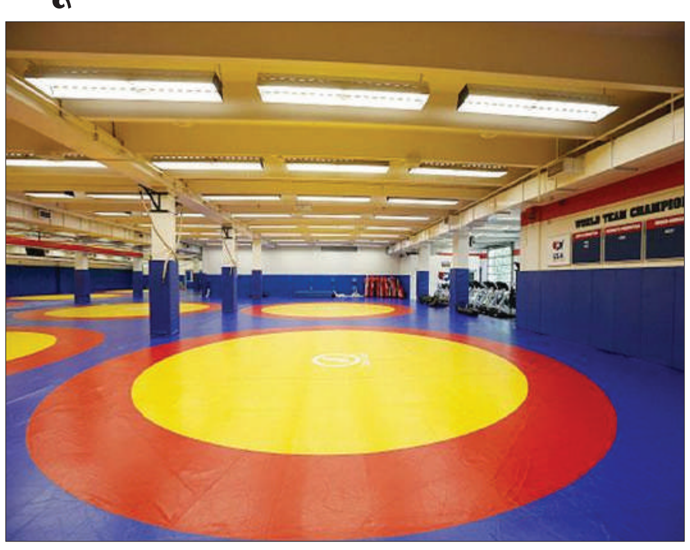

गौरवशाली पर्यटक स्थल आगरा

कैसे जाएं - यहां के लिए विमान सेवा की सुविधा है। 7 किलोमीटर की दूरी पर हवाई अड्डा है। आगरा के समीप 4 रेलवे स्टेशन हैं-आगरा कैंट, आगरा फोर्ट, ईदगाह आगरा जंक्शन और राजा की मंडी। सड़क मार्ग द्वारा देश के विभिन्न भागों से जुड़ा है।

अपनी ऐतिहासिक इमारतों के लिए मशहूर आगरा देश-विदेश में लोकप्रिय पर्यटक स्थल के रूप में जाना जाता है। यहां की प्राचीन धरोहर मुगल काल की याद ताजा कर देती हैं। बात चाहे मो हब्बत की निशानी ताजमहल की हो या आगरा के किले की या फिर फतेहपुर सीकरी की, आगरा और उसके आसपास सारी ऐतिहासिक इमारतें एक से बढ़कर एक हैं। आगरा में विश्व की तीन सांस्कृतिक धरोहरें हैं। ताजमहल, आगरा का किला और फतेहपुर सीकरी। यह शहर यमुना नदी के तट पर बसा है। आगरा शहर को सकिंदर लोदी ने 1506 ई. में बसाया था। आगरा लंबे समय तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रहा। इसकी लोकप्रियता के कारण ताजनगरी आगरा सिर्फ उत्तर प्रदेश का ही नहीं बल्कि भारत का गौरव है। इस गौरवशाली शहर की ऐतिहासिक इमारतों का दीदार करने चलें-

ताजमहल

विश्व के सात अजूबों में ताजमहल एक महत्वपूर्ण अनोखा स्थान रखता है। यह खूबसूरत प्यार का महल शाहजहां की प्रिय बेगम मुमताज महल का मकबरा विश्व के सबसे मशहूर इमारतों में से एक है। इसे बनाने में बाइस वर्ष (1630-1652) लगे। इसे बनाने में 20,000 कारीगरों की अथक मेहनत लगी थी। इसका निर्माण 1653 में पूरा हुआ। पूरे संगमरमर में तराशा हुआ यह भारत का ही नहीं विश्व की भी अति उत्तम कृति है। यह मुगल शैली के चार बाग के साथ स्थित है जिसे फारसी वास्तुकार उस्ताद ईसा खां के दिशा निर्देश में यमुना नदी के किनारे बनवाया गया। इसके ऊपर 22 छोटे गुम्बद हैं जो इसके निर्माण वर्षो की संख्या बताते हैं। ताजमहल को एक लाल बलुआ पत्थर के चबूतरे पर बने सफेद संगमरमर के चबूतरे पर बनाया गया है। ताज की सर्वाधिक सुंदरता इसके इमारत के बराबर ऊंचे महान गुंबद में बसी है। यह 60 फीट व्यास का 80 फीट ऊंचा है। इसके नीचे मुमताज की कब्र है। इसके बराबर ही शाहजहां की भी कब्र है। अंदरूनी क्षेत्रों में रत्नों और बहुमूल्य पत्थरों का काम है। इसके साथ एक खबर- पर्य टकों के लिए शुक्रवार को बंद रहता है।

आगरा का किला

आगरा का दूसरा विश्व धरोहर है- आगरा का किला। जो शहर के बीचोंबीच सर उठाए खड़ा है। इसे लोग लाल किला भी कहते हैं। यह अकबर द्वारा 1565 में बनवाया गया था। बाद में शाहजहां ने इस किले का पुनरुद्धार बलुआ पत्थर से करवाया था। इस किले की मुख्य इमारतों में मोती मस्जिद, दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास, जहांगीर महल, खास महल, शीश महल और मुसम्मन बुर्ज हैं। इसकी पूरी परिधि 24 किलोमीटर की है, जो दोहरे पर कोटेवाली किलेनुमा चहारदीवारी से घिरी है। शिवाजी 1666 में पुरंदरपुर संधि हेतु यहां आये थे। उनकी याद में एक बड़ी मूर्ति यहां स्थपित है। किले को देखने में आप का अच्छा-खासा समय लगेगा।

फतेहपुर सीकरी

मुगल सम्राट अकबर ने फतेहपुर सीकरी बसाई व अपनी राजधानी स्थानांतरित की। यह आगरा से 35 किलोमीटर दूर है। यहां अनेकों भव्य इमारतें बनवाई।

यहां का बुलंद दरवाजा एक विश्व धरोहर स्थल है। बुलंद दरवाजा 53.63 मीटर ऊंचा और 35 मीटर चौड़ा है। यह लाल और शौकीन बलुआ पत्थर से बना है। जो नक्काशी और काले व सफेद संगमरमर से सजाया गया है। यहां पर दीवान-ए-आम, दीवान-ए-खास एवं पचीसी दरबार के अद्भुत प्राचीन वास्तुशिल्प को पर्यटक देखकर आनंदित और रोमांचित हो जाते हैं। मान्यता है कि सूफी संत शेख सलीम चिश्ती का घराना यहां पर ही था।

एतेमादुल्ला मकबरा

नूरजहां ने एतेमादुल्ला का मकबरा बनवाया था। यह उनके पिता ग्यासुद्दीन बेग, जो जहांगीर के दरबार में मंत्री थे, की याद में बनवाया गया था। मुगल काल के अन्य मकबरों सें अपेक्षाकृत छो टा हो ने से इसे श्रृंगारदान भी कहा जाता है। यहां के बाग, पीट्रा ड्यूरा पच्चीकारी व कई कलाकारी ताजमहल से मिलते हुए हैं।

जामा मस्जिद

जामा मस्जिद विशाल मस्जिद है। जो शाहजहां की पुत्री जहांआरा बेगम को समर्पित है। इसका निर्माण 1648 में हुआ था। यह अपने मीनार रहित ढांचे तथा विशेष प्रकार के गुंबद के लिए मशहूर है।

चीनी का रोजा

चीनी का रोजा शाहजंहा के मंत्री अल्लामा अफजल खां शकराउल्ल शिराज को समर्पित है। पारसी शिल्पकारी वाले चमकीले नीले रंग के गुम्बद के लिए यह जानी जाती है।

मेहताब बाग

मेहताब बाग ताजमहल के विपरीत यमुना के किनारे उत्तर में स्थित है। यह सबसे पुराना मुगल उद्यान है। इसे बाबर ने सन 1528 में बनवाया था। यह उद्यान ताजमहल से 2.34 किलोमीटर दूर है।

स्वामी बाग

स्वामी बाग समाधि हुजूर स्वामी महराज शिवदयाल सिंह सेठ का स्मारक है। यह शहर के बाहरी क्षेत्र में है जिसे स्वामी बाग कहते हैं। वे राधास्वामी मत के संस्थापक थे। इसका निर्माण 1908 में आरंभ हुआ था। कहते हैं कि यहां कार्य कभी समाप्त नहीं होगा। इसमें त संगमरमर का प्रयोग हुआ है।

सकिंदरा

आगरा से 13 किलोमीटर दूरी पर महान मुगल सम्राट अकबर का मकबरा है। यह मकबरा उनके व्यक्तित्व की पूर्णता को दर्शाता है। अकबर ने स्वयं ही अपने मकबरे की रूपरेखा तैयार करवाई थी। उसी स्थान का चुनाव उसने स्वयं ही किया था। अपने जीवन काल में ही अपने मकबरे का निर्माण करवाना एक तुर्की प्रथा थी। जिसका मुगल शासक ने धर्म की तरह पालन किया। अकबर के पुत्र जहांगीर ने इस मकबरे का निर्माण 1613 में करवाया।

मरियम मकबरा

मरियम मकबरा अकबर की इसाई बेगम का मकबरा है। जो आगरा और सिकन्दराबाद के बीच में है। मुहम्मद कामिल खां कब जाएं कभी भी आगरा जा सकते हैं। वैसे नवम्बर से मार्च में जाना बेहतर है। सर्दियों के मौसम में घूमने और भी आनन्द आता है। आजकल आगरा में 'ताज महोत्सव' चल रहा है। इसकी शुरुआत 18 फरवरी को हो गई है , जो 27 फरवरी तक चलेगा। महोत्सव में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम होंगे।

केरल में इन जगहों पर करें ट्रैकिंग

आप प्रकृति प्रेमी हैं और प्रकृति की गोद में समय बिताना चाहते हैं तो आपके लिए केरल सबसे अच्छा जगह है। अगर छुट्टी की योजना बना रहे हैं तो केरल में पर्यटकों के लिए बहुत कुछ है जैसे बीच (समुद्र तट) और जंगल के रंगबिरंगे प्राकृतिक नजारे। केरल में कई आकर्षण है जैसे पर्वत-पहाड़, घास के मैदानों, चाय के बगान और वन्यजीव। केरल में इन जगहों पर यात्रा कर आप जोश और उत्साह से भर जाएंगे। क्योंकि यहां कि प्राकृतिक सुंदरता को देखकर आपको काफी संतुष्टि और आनंद मिलता है। केरल में ट्रैकिंग का आनंद उठाने के इन जगहों पर जाया जा सकता है।

मुन्नार

मुन्नार केरल का एक खूबसूरत हिल स्टेशन है। मुन्नार में दक्षिणी भारत की सबसे ऊंची चोटी अनामुडी है जिसकी ऊंचाई लगभग 2695 मीटर है। यह चोटी अपनी प्राकृतिक सुंदरता के कारण ट्रैकिंग के लिए सही स्थान है। यहां ट्रैकिंग के रास्ते में इराविकुलम नेशनल पार्क है। यह अभयारण्य नीलगिरी की जाति को बचाने के लिए स्थापित किया गया था। मुन्नार में चाय की खेती सर्वाधिक रूप से की जाती है। वनों और हरे घास के मैदानों में नीलकुरंजी नामक फूल पाया जाता है। यह फूल बारह वर्षो में केवल एक बार पूरी पहाड़ी को नीला कर देता है। वन विभाग से अनुमति लेकर अनामुडी पर चढ़ाई की जाती है।

अगस्त्यकूडम

पश्चिमी घाट का शानदार चोटी अगस्त्यकूडम एक तीक्ष्ण शंकु के रूप में 1890 मी. की ऊंचाई पर स्थित है। बोनाकॉड से लगभग 61 किमी की दूरी तक ट्रैकिंग कर सकते हैं। इसके चारों ओर घने वन घिरे हैं। एक मान्यता के अनुसार यह चोटी ऋषि अगस्त्य का निवास स्थल हुआ करता था। इस शिखर यानी चोटी पर महिलाओं को चढ़ने की अनुमति नहीं है। इस चोटी पर दुर्लभ जड़ी-बूटियां तथा वनस्पतियां पाई जाती हैं। इसकी ढालों पर नीलकुरंजी के रंग-बिरंगे फूल खिलते हैं। नीलकुरंजी एक ऐसा फूल है जो बारह वर्षो में एक बार खिलता है।

चेंब्रा

चेंब्रा चोटी वायनाड जिले में मेप्पड्या शहर के पास स्थित है और यह इस जिले की सबसे ऊंची चोटी है। यह चोटी समुद्र स्तर से 2100 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है। यह चोटी पश्चिमी घाटी का एक हिस्सा है। इस चोटी को वायनाड के किसी भी हिस्से से देखा जा सकता है। यह पर्यटकों का पसंदीदा ट्रैकिंग जगह है। कुछ जंगली जानवरों इस शिखर पर होते हैं। ट्रेकर को उन्हें देखने का मौका मिल सकता है।

चिम्मिनी

केरल के त्रिशूर जिले स्थित चेम्मिनी वन्यजीव अभयारण्य पक्षियों पर नजर रखने का सही ठिकाने है। ट्रेकर अभयारण्य के बाहरी इलाके से यात्रा कर सकते हैं। घने जंगलों के माध्यम से यात्रा करना जंगल प्रेमियों के लिए एक अच्छा विकल्प है। यहां पुंडा चोटी उच्चतम बिंदु है। चिम्मिनी में ट्रैकिंग कार्यक्रम वन विभाग द्वारा आयोजित किया जाता है। यहां अक्टूबर-मार्च यात्रा के लिए सबसे अच्छा समय है।

पयथल माला

केरल के कन्नूर जिले में एक हिल स्टेशन पयथल माला स्थित है जो घने जंगलों से पूरे तरह घिरा हुआ है। यह पश्चिमी घाट का हिस्सा है। यहां पशुओं और पेड़-पौधों की कई विविध प्रजातियां पाई जाती हैं। इस क्षेत्र में पर्यटक 6 किमी. की दूरी तक चोटी से पहाड़ी पर ट्रैकिंग कर सकते हैं। पर्यटकों को घाटियों पर दिखने वाले अद्भूत नजारे प्राकृति शांति का अनुभव कराता है। यहां एक प्राचीन महल है जो पुराने जमाने के आदिवासी शासक (वैथलकॉन) के नाम पर है। इसी के नाम पर हिल स्टेशन पर स्थित है। पयथल माला को वैटल माला के नाम से भी जाना जाता है।

पहाड़ियों से घिरा इटली का खूबसूरत शहर ट्यूरिन

ट्यूरिन एक घनी आबादी वाला शहर है यह पहले कभी इटली की राजधानी हुआ करता था। यहां की सभ्यता, भाषा, खानपान बिल्कुल अलग है। इस शहर की गगनचुंबी इमारतें बहुत पुरानी हैं। इटली की मुद्रा लीरा है जिसका दाम अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर से बहुत कम है इसलिए यहां वस्तुओं की कीमत हजारों, लाखों से शुरू होती है। मसलन खाने के लिए एक पिज्जा लगभग 10 से 12 हजार लीरा का आता है। यदि आप मकान खरीदने जाएंगे तो कम से कम तीनल्चार करोड़ लीरा देने पड़ेंगे। यदि आप घर का कुछ हल्काल्फुल्का सामान खरीदने जाएंगे तो कम से कम पचास हजार लीरा तो खर्च हो ही जाएंगे। यहां अधिकांश वस्तुएं उपयोग करो और फेंक दो वाली होती हैं। आपको यह जानकर आश्चर्य होगा कि इटली में बाल कटवाने के लिए 20 हजार लीरा तक आपको देने पड़ेंगे।

ट्यूरिन के लोग इटालियन भाषा बोलना पसंद करते हैं। यहां शिक्षा भी इटालियन भाषा में दी जाती है। इटालियन भाषा के कुछ शब्द तो भारतीय बोलचाल की भाषा से काफी मिलतेल्जुलते हैं। जैसे कमीज को कमीचा, आज को ओज्जी व तुम को तू बोला जाता है। आधुनिकता के मामले में यहां के लोग अन्य यूरोपीय देशों से पीछे नहीं हैं।

ट्यूरिन पहाड़ियों से घिरा हुआ है। इनमें प्रमुख है आल्पस। इटली के दक्षिण भाग में स्थित सिसली में विश्व प्रसिद्ध एटन नामक ज्वालामुखी है। यहां के लोग संगीत के शौकीन हैं। यहां लगभग हर घर में प्यानो होता है। यहां का मौसम अन्य यूरोपीय देशों की तरह परिवर्तनशील है। यहां पांच दिनों का सप्ताह होता है।

यहां के चौराहे बड़ेल्बड़े हैं जिन्हें प्रियात्सा कहा जाता है। यहां कई प्राचीन मीनारें हैं इनमें प्रसिद्ध पालातिनि टावर, प्रियात्सा कास्तेलो स्थित पलाजो मदामा व पुराने महलों में विक्टोरिया अमीदियो द्वारा बनाए गए हंटिंग लाज प्रसिद्ध हैं। ट्यूरिन का वानस्पतिक उद्यान बोटेनिकल गार्डन ट्यूरिन विश्वविद्यालय के मत्तीओली मार्ग पर है।

ट्यूरिन एक हराभरा शहर भी है। यहां पर अनेक पार्क और बागल्बगीचे हैं। उदाहरण के लिए वेलेंटिना पार्क जो पिछली शताब्दी के मध्य में इटली का पहला पार्क था। शहर के बाहरी छोर पर ला मंदरीना पार्क भी है इसका क्षेत्रफल 6,500 हेक्टेयर है।

ट्यूरिन के दर्शनीय स्थलों में यहां के संग्रहालय सबसे आकर्षक हैं। इंजिप्शियन संग्रहालय में लगभग 30 हजार देखने योग्य चीजें हैं। यह विश्व का दूसरा सबसे बड़ा संग्रहालय है। रायल आरमोरी यूरोप के बड़े संग्रहालयों में से एक है जिसमें 14 से 20वीं शताब्दी तक के हथियार रखे हुए हैं।

यहां का आटोमोबाइल संग्रहालय लगभग 10 हजार वर्गमीटर के क्षेत्र में फैला हुआ है। इसकी विशेषता यह है कि इसमें पुरानी से पुरानी कारों का इतिहास है। इसमें इटली की पहली कार भी रखी हुई है। ट्यूरिन इटली का ऐतिहासिक शहर है जोकि विश्व भर के सैलानियों के लिए आकर्षण का केंद्र है।

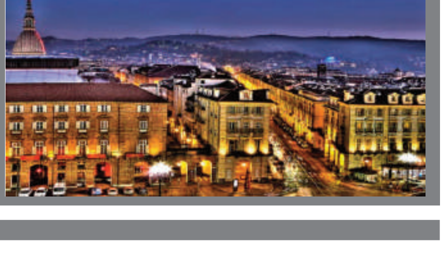

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हमास के हथियारों का जखीरा देख इजरायल के उड़े होश

तेल अवीव । इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) के उस समय होश उड़ गए जब उसने हमास के ठिकानों पर सैकड़ों की तादाद में रॉकेट लांचर और रेडी टू लांच रॉकेट देखे। एक्स पर जानकारी देते हुए आईडीएफ ने मंगलवार को कहा कि उसने गाजा में हमास के गढ़ से लगभग 100 रॉकेट इंस्टॉलेशन का खुलासा किया है। आईडीएफ ने एक पोस्ट में कहा कि उत्तरी गाजा के बेत लाहिया शहर में 401वीं ब्रिगेड कॉम्बैट टीम को रॉकेट इंस्टॉलेशन और 60 रेडी-टू-यूज़ रॉकेट मिले, जहां सैनिकों ने हमलों के दौरान दर्जनों आतंकवादी गुर्गों को मार दिया। आईडीएफ ने कहा कि उत्तरी शाती क्षेत्र में सैनिकों ने इजरायली वायु सेना के विमान और एक हेलीकॉप्टर को नौ आतंकवादी गुर्गों पर हमला करने का निर्देश दिया। इस ऑपरेशन में वायुसेना के अलावा 5वीं ब्रिगेड भी शामिल थी। इस दौरान दक्षिणी गाजा के खान यूनिस शहर में आईडीएफ की 7वीं ब्रिगेड कॉम्बैट टीम ने क्षेत्र में देखे गए आतंकवादी गुर्गों पर हमला करने के लिए एक विमान भी भेजा था। इसके साथ ही एक ऑब्जर्वेशनल डिवाइस पर हमला करने के लिए एक हेलीकॉप्टर भेजा जिसने सशस्त्र आतंकवादियों को मार गिराया था। इस समय हमास के वरिष्ठ नेता मोहम्मद दीफ और याह्या सिनवार कथित तौर पर कई बंधकों के साथ खान यूनिस में छिपे हैं। बता दें कि हमास ने इजरायल में पिछले साल सात अक्टूबर को हमला कर करीब 1,200 लोगों की हत्या कर दी थी जिनमें अधिकतर आम नागरिक थे। इसके अलावा 250 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया गया था, जिसके बाद इजरायल ने गाजा पट्टी में अक्रामक सैन्य हमले शुरु किए थे।

सुप्रीम कोर्ट तक पहुंची सास-बहू की लड़ाई, चीफ जस्टिस भी हुए हैरान

इस्लामाबाद । सास-बहू की लड़ाई घर में तो ठीक है, लेकिन यह लड़ाई यदि सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच जाती है तो जज का हैरान होना स्वाभाविक है। ऐसा ही पाकिस्तान की एक अदालत में हुआ है। जहां 10 तोला सोने को लेकर सास-बहू का झगड़ा सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। मिली जानकारी के अनुसार पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में यह अनोखा मामला सामने आया है, जहां सास-बहू के बीच 10 तोला सोने को लेकर विवाद है। दरअसल, पाकिस्तान की एक महिला याचिकाकर्ता ने अपनी पूर्व बहू के साथ 10 तोला सोने को लेकर विवाद कायम किया। सवीहा खानम नाम की इस महिला ने अपनी पूर्व बहू को 10 तोला सोना देने के हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ पाकिस्तानी शीर्ष अदालत में एक याचिका दायर की थी। पाकिस्तान के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने मंगलवार को इस मामले में सुनवाई की। रिपोर्ट के मुताबिक चीफ जस्टिस काजी फैज ईसा ने याचिकाकर्ता महिला के वकील जुल्फिकार नकवी से दोनों महिलाओं के बीच पारिवारिक विवाद जानना चाहा। तो इस पर वकील ने अदालत को बताया कि यह झगड़ा सोने की कस्टडी को लेकर सास और बहू के बीच है। इसके बाद पाकिस्तानी सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि क्या उनकी बहू तलाकशुदा थी और उसका हक-ए-मेहर क्या था? एससी की बेंच के पूछने पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि बहू का तलाक हो चुका है और उसके तीन बच्चे हैं, जबकि उसका गुजारा भत्ता 2000 रुपये महीना पहले से ही तय है। इसके बाद चीफ जस्टिस ने टिप्पणी की कि तीन बच्चों की मां को 10 तोला सोना देने में क्या दिक्कत है। इसके बाद शीर्ष अदालत ने याचिकाकर्ता खानम की उच्च न्यायालय के फैसले को पलटने की अपील खारिज कर दी। इस तरह से सास-बहू के झगड़े में बहू की जीत हो गई और सास को 10 तोला सोना देना पड़ा।

आस्ट्रेलिया में रह रहे हरियाणा के युवक की समुद्र में डूबने से मौत, तमाम प्रयासों के बाद मिली डेड बॉडी

विक्टोरिया। आस्ट्रेलिया में रह रहे हरियाणा के एक युवक की समुद्र में डूबने से मौत हो गई। हादसा उस वक्त हुआ जब 25 साल का साहिल अपने दोस्तों के साथ विक्टोरिया बीच पर समुद्र में नहाने गया था। नहाने के दौरान साहिल का चश्मा समुद्री लहरों में चला गया, जिसे उठाने की कोशिश के दौरान एक तेज लहर आई जो साहिल को गहरे पानी की तरफ बहा ले गई। उपस्थित दोस्तों ने उसे बचाने के प्रयास किए लेकिन सफलता नहीं मिली। हादसे की जानकारी पुलिस को दी गई। गोताखोरों ने शव को तलाशने की कोशिश की लेकिन शव कहीं नहीं मिला। पुलिस ने रेस्क्यू के दौरान हेलीकॉप्टर का उपयोग करते हुए काफी दूर तक साहिल के शव को तलाशा लेकिन धुंध और कोहरे कारण डेड बॉडी नहीं मिली। इस तलाशी अभियान में दूसरे दिन गोताखोरों ने शव ढूंढ लिया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच की जा रही है। बता दें कि साहिल बीते सात सालों से आस्ट्रेलिया में रह रहा था। स्टडी वीजा पर आस्ट्रेलिया गए साहिल को एक साल पहले ही स्थाई नागरिकता मिली थी। वहीं परिवार सहित रह रहा था और एक फर्नीचर कंपनी में काम करता था। हरियाणा के गांव कैमला निवासी साहिल का विवाह गुढ़ा गांव की अनु के साथ हुआ था और 2022 में साहिल अनु को भी अपने साथ लेकर ऑस्ट्रेलिया चला गया था। साहिल का शव अब मेलबर्न से अस्पताल में है। उसे वहाँ से लाने मे में 7 से 10 दिन का समय लग सकता है, और साहिल का भाई पुर्तगाल में जॉब करता है। ऐसे में इस घटना के बाद पूरे गांव और पूरे परिवार में शोक की लहर है। ऑस्ट्रेलिया की पुलिस ने गोताखोरों की मदद से युवक का शव बरामद कर लिया है और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जैसे ही युवक की मौत होने की खबर कैमला गांव में पहुंची तो परिवार पर पहाड़ से टूट गया और परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीण परिजनों को ढाढ़स देने के लिए उनके घर पहुंच रहे हैं।

कतर की मध्यस्थता में हुए समझौते पर अमल, आज गाजा पहुंचेगी जीवन रक्षक दवाएं

जेरूसलम। कतर की मध्यस्थता में हुए समझौते पर अमल शुरु हो गया है। समझौते के तहत फ्रांस में खरीदी गई दवाएं गाजा में हमास और अन्य आतंकवादी समूहों द्वारा बंधक बनाए गए लोगों को भी वितरित की जाएंगी। बंधकों की चिकित्सा स्थितियों के आधार पर दवाओं की सूची बनाई गई थी, जिनमें से कई की उम्र 70 और 80 वर्ष के बीच है। इस आशय की जानकारी इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा एक बयान में दी गई है। बयान में कहा गया है कि बुधवार को कतरी वायु सेना के दो विमानों के फ्रांस में खरीदी गई दवाओं के साथ मिस्र के लिए प्रस्थान करने की उम्मीद है, जबकि मिस्र में विमानों के आगमन पर, कतर के प्रतिनिधियों द्वारा दवाओं को गाजा पट्टी में उनके अंतिम गंतव्य तक पहुँचाया जाएगा। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रक्रिया के दौरान मदद करने वाले सभी लोगों की सराहना की और जोर देकर कहा कि इजरायल इस बात पर जोर देता है कि सभी दवाएं अपने गंतव्य तक पहुंचें। कतरी विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को गाजा को दवाएं और सहायता भेजने के लिए इज़रायल और हमास के बीच एक समझौते पर पहुंचने की घोषणा की थी। हमास ने 7 अक्टूबर 2023 को अप्रत्याशित रूप से इजरायल पर हमला किया और करीब 240 लोगों को बंधक बना लिया। महिलाओं, पुरुषों और बच्चों सहित लगभग 130 बंधक अभी भी गाजा में हैं। इस हमले में लगभग 1,200 इजरायली मारे गए थे। गाजा स्थित स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि प्रतिशोध में गाजा पट्टी पर चल रहे इजरायली हमलों में फिलीस्तीनियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 24,285 हो गया है। इज़रायल द्वारा अपने जवाबी हमले के तहत दवाओं, भोजन, ईंधन और पानी की आपूर्ति में कटौती के बाद गाजा को चिकित्सा सहायता की सख्त जरूरत है।

अमेरिका के दक्षिणी-पूर्वी हिस्सों में दिखा तूफान का असर, पारा हुआ शून्य डिग्री

बफेलो । अमेरिका के अधिकतर हिस्से में कंपकंपाती ठंड पड़ रही है। इधर दक्षिणी-पूर्वी हिस्सों में लगातार शीतलहर का प्रकोप जारी है। यहां के कई स्थानों का तापमान जीरो हो गया है। यहां पर सोमवार को मैरीलैंड के कॉलेज पार्क में राष्ट्रीय मौसम सेवा में मौसम विज्ञानी जैक टेलर ने कहा कि करीब 15 करोड़ अमेरिकियों के लिए ठंडी हवा चलने की चेतावनी या खतरनाक ठंड संबंधी बुलेटिन जारी किया गया है। इसके साथ ही आर्कटिक से आ रहे तूफान का असर अमेरिका के दक्षिणी और पूर्वी हिस्सों में देखा जा सकता है। रविवार सुबह उत्तरी और उत्तरपूर्वी मोंटाना में पारा शून्य से 6.7 डिग्री सेल्सियस से लेकर शून्य से 40 सेल्सियस तक दर्ज किय गया। मौसम केन्द्र के टेलर ने बताया कि मोंटाना के साको में तापमान शून्य से 26 सेल्सियस नीचे चला गया। कंसास, मिसौरी, इलिनोइस और इंडियाना के कुछ हिस्सों में भी पारा शून्य से नीचे माइनस में बना हुआ है। यहां शनिवार को व्यापक पैमाने पर शुरू की गयी बिजली कटौती के बाद अमेरिका में करीब 1,14,000 घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों की बत्ती गुल है। जिनमें से ज्यादातर घर तथा प्रतिष्ठान ओरेगोन में हैं। पोर्टलैंड जनरल इलेक्ट्रिक ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि सोमवार को तेज हवा चलने का पूर्वानुमान है और मंगलवार को बर्फीले तूफान के कारण बिजली आपूर्ति में देरी हो सकती है।

डेस मोइंस में भारी बर्फबारी के कारण चारों ओर सफेद बर्फ की चादर नजर आयी।

गैर-इस्लामिक निकाह मामले में इमरान और बीबी बुशरा दोषी

-रावलपिंडी की अदालत ने अनुपस्थित बुशराकी मेडिकल रिपोर्ट पर जताई आपत्ति

रावलपिंडी । पाकिस्तान की एक स्थानीय अदालत ने मंगलवार को पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को गैर-इस्लामिक निकाह (विवाह विलेख) मामले में दोषी ठहराया। वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश कुदरतुल्लाह ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में स्थापित अदालत में पीटीआई के सर्वोच्च नेता की मौजूदगी में आरोप पढ़े। मंगलवार की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने बुशरा की गैरमौजूदगी पर नाराजगी जताई और सवाल किया कि वह कोर्ट की इजाजत के बिना कहीं कैसे जा सकती हैं। मीडिया आउटलेट की रिपोर्ट के अनुसार, इस पर उनके वकील उस्मान गिल ने कहा कि उनकी मुवक्किल अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अस्पताल के लिए रवाना हो गई हैं। इस बीच, अभियोजन पक्ष ने बुशरा की मेडिकल रिपोर्ट पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इसमें किसी विशेष उपचार का उल्लेख नहीं किया गया है - जिससे आरोपी गुजरा है। गौरतलब है कि पूर्व प्रधानमंत्री इमरान, जिन्हें अप्रैल 2022 में सत्ता से हटा दिया गया था और उनकी पत्नी ने पिछले महीने बुशरा के पूर्व पति खावर मनेका द्वारा दर्ज मामले में सभी आरोपों से इनकार किया है। हालांकि, बुशरा न्यायालय में हाजिर नहीं हुईं, जिससे न्यायाधीश नाराज हो गए, क्योंकि उनकी गैरहाजिरी के कारण पिछले अभियोग स्थगित कर दिए गए थे।

ये क्या हुआ? इधर ईरान के राष्ट्रपति से मिले जयशंकर, उधर ईरानी सेना ने मिटा दिए पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कारण कुछ भी हो सकते हैं लेकिन कई बार टाईमिंग ऐसी हो जाती है जो शंकाओं का कारण बन जाती है। हाल ही 15 जनवरी को भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाह्यान से मुलाकात की। इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुईं। इसके ठीक दूसरे दिन यानी 16 जनवरी को ईरान ने पाकिस्तान में एयरस्ट्राइक कर आतंकियों के कई ठिकानों को तहस नहस कर दिया। इसके कारण कुछ भी हो सकते हैं लेकिन मुलाकात और एयरस्ट्राइक की टाइमिंग चर्चा में जरुर आ गई।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जैश उल-अदल आतंकवादी समूह से संबंधित दो ठिकानों पर हमला किया और उन्हें नष्ट कर दिया। स्थनीय मीडिया के मुताबिक कुहे सब्ज़ क्षेत्र में लक्षित जैश उल-अदल के ठिकाने आतंकवादी समूह के सबसे बड़े अड्डों में से एक थे। ईरानी राज्य मीडिया ने बताया कि इन ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया गया और उन्हें नष्ट कर दिया गया।

पाकिस्तानी सेना या सरकारी अधिकारियों ने जैश उल-अदल समूह पर ईरान के हमलों की न तो पुष्टि की और न ही इनकार किया। आतंकवादी समूह ने पहले भी पाकिस्तान के साथ सीमा क्षेत्र में ईरानी सुरक्षा बलों पर हमले किए हैं। जैश अल-अदल 2012 में स्थापित एक सुन्नी आतंकवादी समूह है जो व्यापक रूप से पाकिस्तान में सीमा पार संचालित होता है। ईरान ने सीमावर्ती इलाकों में उग्रवादियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी है, लेकिन पाकिस्तान पर मिसाइल और ड्रोन हमला ईरान के लिए अभूतपूर्व कदम है।

पाकिस्तान के साथ राजनयिक बैठक

ईरान ने पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में जैश-उल-अदल आतंकी समूह के दो ठिकानों पर हमले किए। यह हमला स्विट्जरलैंड के दावोस में विश्व आर्थिक मंच के दौरान ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन और पाकिस्तान के कार्यवाहक प्रधान मंत्री अनवर उल हक काकर के बीच एक बैठक के साथ हुआ। मंगलवार को, ईरानी मीडिया ने बताया कि कुहे सब्ज़ क्षेत्र में लक्षित जैश उल-अदल के अड्डे आतंकवादी समूह के सबसे बड़े ठिकानों में से एक थे। ईरानी राज्य मीडिया ने बिना विस्तृत जानकारी दिए कहा, इन ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोनों से हमला किया गया और उन्हें नष्ट कर दिया गया।

जासूसी नेटवर्क को फिर से मजबूत करने में लगा चीन, कार्टून के सहारे लोगों को इससे जोड़ने की कोशिश

ओटावा (एजेंसी)। हर जगह घूम रहे कथित विदेशी जासूसों की चिंताओं के बीच चीन अपने जासूसी नेटवर्क को फिर से मजबूत कर रहा है। केंद्रीय खुफिया एजेंसी, राज्य सुरक्षा मंत्रालय, देश की पूरी आबादी को जासूसों की तलाश में रखना चाहती है। साथ ही एक असामान्य जन जागरूकता अभियान भी शुरू किया गया है और शेनयिन स्पेशल इन्वेस्टिगेशन स्क्वाड नामक एक ऑनलाइन कॉमिक स्ट्रिप लॉन्च की गई है। इस कदम से लोगों के जुड़ने की उम्मीद है। लेकिन आलोचकों का तर्क है कि चीन की प्रतिक्रिया वास्तविक सतर्कता की तुलना में व्यामोह से अधिक प्रेरित है। 7 जनवरी को चीन के एमएसएस द्वारा जारी की गई पहली किस्त में चीन के काउंटर-जासूसी कानून का उल्लंघन करने के संदेह में एक विदेशी दिखने वाले व्यक्ति को पकड़ने और पूछताछ को दर्शाया गया है। मंत्रालय के अनुसार, कॉमिक कथानक ज़शिान खनन क्षेत्र में सामने आता है, जो वास्तविक जासूसी मामलों से प्रेरित है।

कॉमिक में बबल टी के शौकीन तकनीकी उत्साही ए ज़ेह और मार्शल आर्ट में कुशल लंबे बालों वाले पुलिस अधिकारी डैन डैन जैसे पात्रों का परिचय दिया गया है। इसमें लाओ टैन भी है, जो अनिर्दिष्ट लेकिन संभवतः अद्वितीय कौशल वाला एक अनुभवी एजेंट है। पात्रों को युवा दर्शकों को शामिल करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो देश के युवाओं के बीच राष्ट्रीय सुरक्षा जागरूकता पैदा करने के एमएसएस के प्रयास को उजागर करता है। एमएसएस कड़ी सुरक्षा की धारणा को सुदृढ़ करना चाहता है, ऐसे प्रचार प्रयासों को अक्सर उदासीनता या उपहास का सामना करना पड़ता है। ऐसे तर्क हैं कि पूर्वानुमानित विषय और सूक्ष्मता की कमी इच्छित दर्शकों पर प्रभाव को कम कर रही है। कॉमिक स्ट्रिप सरकार की इस कहानी में योगदान देती है कि चीनी नागरिकों और विदेशियों के बीच किसी भी बातचीत को संदेह की दृष्टि से देखा जाना चाहिए। चीन की सरकार ने अपने जासूसी विरोधी रुख को बढ़ाते हुए, पिछले साल काउंटर-जासूसी कानून का विस्तार किया, जिसमें स्पष्ट परिभाषा के बिना सुरक्षा और राष्ट्रीय हितों से संबंधित जानकारी के हस्तांतरण पर रोक लगा दी गई।

एयरस्ट्राइक के बाद पाकिस्तान ने ईरान से अपने राजदूत को वापस बुलाया, तेहरान के राजदूत की एंट्री भी कर दी बंद

गाजा (एजेंसी)। बलूचिस्तान प्रांत पर हमले शुरू करने के बाद पाकिस्तान ने बुधवार को ईरान से अपने राजदूत को वापस बुला लिया। इसके अलावा, पाकिस्तान में फिलहाल तेहरान में मौजूद ईरानी राजदूत को भी फिलहाल वापस न लौटने के लिए कहा गया है। यह तब आया है जब ईरान ने कहा कि उसने बलूचिस्तान में जैश उल-अदल आतंकवादी समूह के दो 'महत्वपूर्ण' ठिकानों पर मिसाइलों और ड्रोन से हमला किया। पाकिस्तान ने हमले की पुष्टि करते हुए दावा किया कि हमले में दो बच्चे मारे गए और तीन अन्य घायल हो गए।

पाकिस्तान के विदेश कार्यालय ने इस हमले की कड़ी निंदा की और इसे ईरान द्वारा अपने हवाई क्षेत्र का अकारण उल्लंघन बताया। इसमें कहा गया कि हमले में दो बच्चों की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए। विदेश कार्यालय ने कहा कि पाकिस्तान अपनी संप्रभुता के उल्लंघन का पुरजोर विरोध करता है। उन्होंने कहा कि यह पूरी तरह से अस्वीकार्य है और इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं।

जैश अल-अदल आतंकवादी समूह से जुड़े दो ठिकानों को निशाना बनाए जाने के ईरान के दावों के मद्देनजर पाकिस्तान ने पड़ोसी देश द्वारा उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किए जाने की कड़ी निंदा की और चेतावनी दी कि इस प्रकार के कदमों का गंभीर परिणाम हो सकता है। देश के सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरान ने मंगलवार को पाकिस्तान में आतंकवादी समूह के ठिकानों को निशाना बनाते हुए हमले किए।

खालिस्तान के हमदर्द टूडो को भारतीय छात्रों ने दिया तगड़ा झटका

- अब कनाडा की जगह अन्य देशों के लिए अध्ययन वीजा हो रहा अप्लाई

ओटावा (एजेंसी)। खालिस्तान के हमदर्द कनाडा के पीएम जस्टिन टूडो को भारतीय छात्रों ने तगड़ा झटका दिया है। दरअसल भारतीय छात्रों ने अब कनाडा के लिए अध्ययन परमिट में आवेदन कम किए हैं। जानकारी के अनुसार कनाडा की ओर से भारतीय छात्रों को जारी किए जाने वाले स्टडी परमिटों की संख्या में पिछले साल के अंत में तेजी से गिरावट आई है। साल की आखिरी तिमाही में ये गिरावट 86 फीसदी तक चली गई। कनाडा में सिख आतंकी की हत्या के बाद दोनों देशों के बीच हुए राजनयिक विवाद के चलते कम भारतीय छात्रों ने आवेदन किया है। क्योंकि बीते साल के आखिर में दोनों देशों के बीच विवाद बढ़ गया था। इस संबंध में कनाडा के आव्रजन मंत्री मार्क मिलर ने एक साक्षात्कार में माना कि स्टडी परमिट की संख्या घटी है और भारतीयों को अध्ययन परमिट की संख्या जल्द ही बढ़ने की भी संभावना नहीं है। मार्क मिलर ने कहा, हालिया संबंधों ने भारत से कई आवेदनों को जारी करने की संख्या को आधा कर दिया है। उन्होंने कनाडा और भारत के तनाव का असर आगे भी पड़ने की संभावना व्यक्त की है।

मार्क ने कहा कि मैं आपको यह नहीं बता सकता कि राजनयिक संबंध कैसे विकसित होंगे लेकिन इनका असर जरूर हुआ है। मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले वर्ष की चौथी तिमाही में भारतीयों को जारी किए गए अध्ययन परमिट में उससे पिछली तिमाही की तुलना में 86प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। एक ही तिमाहई में स्टडी परमिट की संख्या 1,08,940 से घटकर 14,910 रह गई है। और ये कनाडा के लिए बड़ा झटका है क्योंकि कनाडाई विश्वविद्यालयों को अंतर्राष्ट्रीय छात्रों से काफी आमदनी होती है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय छात्रों से कनाडा के विश्वविद्यालयों को सालाना करीब 22 बिलियन कनाडाई डॉलर मिलते हैं।

इसी संबंध में ओटावा में भारतीय उच्चायोग के कंसल्टेंट सुब्रमण्यन ने कहा कि कनाडाई संस्थानों में आवासीय और पर्याप्त शिक्षण सुविधाओं की कमी भी मुख्य कारण बने है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय

छात्र अब कनाडा के बजाय अन्य विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। इनमें भारतीय छात्र भी शामिल हैं। भारतीय छात्रों पर कनाडा से राजनयिक विवाद का भी असर हो रहा है। बीते साल जून में कनाडा में खालिस्तानी आतंकी हरदीप निज्जर की हत्या पर कनाडा सरकार ने भारतीय एजेंटों के शामिल होने का दावा किया था। कनाडा के इन आरोपों को भारत ने सिरे से खारिज कर दिया था। इसके बाद से भारतीय छात्रों ने दूसरे देशों में पढ़ने का विकल्प ढूंढा है।

'रवांडा शरण योजना' पर संसद में घिरे पीएम सुनक

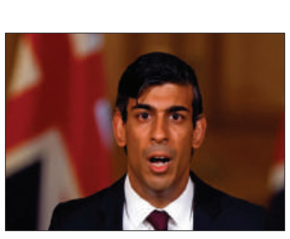

लंदन । रवांडा शरण योजना' को लेकर ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक को मंगलवार को संसद में खुद की कंजर्वेटिव पार्टी के सांसदों की बगावत का समाना करना पड़ा। ब्रिटेन में शरण चाहने वालों को रवांडा भेजने की सुनक की योजना को लेकर कंजर्वेटिव पार्टी के वरिष्ठ सांसदों ने बगावती तेवर दिखाए। यह एक विवादास्पद और महंगी नीति है जिसे सुनक ने इस वर्ष चुनाव जीतने के अपने प्रयास के तहत केंद्र में रखा था। इस योजना को लागू करने के लिए उन्हें अपनी पार्टी की एकजुटता की ज़रूरत है, जो जनमत सर्वेक्षणों में विपक्षी दल लेबर पार्टी से बहुत पीछे है। कंजर्वेटिव पार्टी का उदारवादी और गैर उदारवादी धड़ा रवांडा योजना को लेकर आमने-सामने है। सुनक को झटका देते हुए कंजर्वेटिव पार्टी के दो उपाध्यक्षों ने कहा कि वे इस सप्ताह हाउस ऑफ कॉमन्स में सरकार के अहम रवांडा सुरक्षा विधेयक को सख्त बनाने के लिए मतदान करेंगे। ली एंडरसन और ब्रेंडन क्लार्क-स्मिथ ने घोषणा की कि वे रवांडा निर्वासित करने के खिलाफ शरण चाहने वालों के लिए अपील के रास्ते बंद करने का प्रावधान करने वाले संशोधनों का समर्थन करेंगे। एक अन्य विद्रोही एवं पूर्व आव्रजन मंत्री रॉबर्ट जेनरिक ने कहा कि केवल 'सबसे मजबूत कार्रवाई' ही संभावित प्रवासियों के लिए 'टिकाऊ निवारक' बनेगी। ब्रिटेन के मुख्य विपक्षी दलों ने भी इस विधेयक का विरोध किया है।

फिर दुनिया पर मंडराया खतरा! चूहों पर नए घातक वायरस का टेस्ट कर रहा चीन

बीजिंग (एजेंसी)। कोरोना वायरस कहां से आया, कब आया और कैसे आया। इन सवालों का जब भी जिक्र होता है तो नजर चीन पर जाकर टिकती है। लेकिन अपनी सबूतों की इमारतों पर चीन इस बात को झूठला देता है या पीछे हट जाता है। कोरोना को लेकर चीन से जुड़े खुलासे लगातार सामने आते रहे। लेकिन अब चीन को लेकर एक नया दावा सामने आया है। कहा जा रहा है कि कोरोना के नए स्ट्रेन को फैलाने के लिए चूहों का प्रयोग कर रहा है। प्री-पीयर समीक्षा जर्नल लेखों के डेटाबेस पर आई एक रिपोर्ट पर विश्वास किया जाए, तो चीन एक नए घातक कोविड जैसे वायरस पर काम कर रहा है। ये चूहों के लिए 100 प्रतिशत घातक है और मनुष्यों को प्रभावित कर सकता है।

3 जनवरी को बायोरेक्सिव वेबसाइट पर प्रकाशित पेपर में दावा किया गया कि चीनी सेना द्वारा प्रशिक्षित डॉक्टरों ने तथाकथित पैंगोलिन कोरोना वायरस का अपना वर्जन तैयार किया है और चूहों पर इसका परीक्षण भी किया है। पेपर में कहा गया है कि चार चूहों को निष्क्रिय वायरस का टीका लगाया गया और चार नकली-संक्रमित चूहों को नियंत्रण के रूप में इस्तेमाल किया गया। हैरानी की बात यह है कि जीवित वायरस से संक्रमित सभी चूहे टीकाकरण के 7-8 दिनों के भीतर संक्रमण का शिकार हो गए।

विशेषज्ञों ने पाया कि जिन चार चूहों को वायरस दिया गया, संक्रमित होने के बाद पांच दिनों के भीतर उनका वजन कम हो गया। सातवें दिन चूहे सुस्त होने लगे और उनकी आंखें सफेद हो गईं। जीवित वायरस से संक्रमित चूहों में फेफड़ों में वायरल लोड छठे दिन तक काफी कम हो गया। इसके साथ ही चूहों की मौत के आखिरी दो दिन पहले मस्तिष्क में वायरस का असर ज्यादा था। पेपर में आगे कहा गया कि इस खोज से पता चला संक्रमण के बाद के चरणों के दौरान गंभीर मस्तिष्क संक्रमण इन चूहों में मृत्यु का प्रमुख कारण हो सकता है।

आतंकरोधी मिशन में शहीद 6,000 सुरक्षाकर्मियों में से 1,600 जम्मू-कश्मीर पुलिस से : डीजीपी स्वैन

जम्मू । आतंकवाद संबंधी घटनाओं में ड्यूटी के दौरान लगभग 6,000 सुरक्षाकर्मियों ने अपने प्राण न्यौछावर किये हैं, जिनमें से 1,600 से अधिक जम्मू-कश्मीर पुलिस से हैं। कठुआ में मंगलवार को 12वें शहीद स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट के समापन समारोह को संबोधित करते हुए जम्मू-कश्मीर के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) आर आर स्वैन ने इस शहादत को देश की संप्रभुता और अखंडता की रक्षा के लिए जम्मू-कश्मीर पुलिस की प्रतिबद्धता बताया। स्वैन ने कहा, ''देश की विभिन्न सेनाओं के लगभग 6,000 बहादुरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया है और उनमें से 1,600 से अधिक सिर्फ जम्मू-कश्मीर पुलिस से हैं।'' टूर्नामेंट के समापन समारोह के लिए आयोजन स्थल पर पहुंचने के तुरंत बाद डीजीपी ने शहीद दीर्घा में जम्मू-कश्मीर पुलिस के शहीद नायकों पर पुष्पचक्र चढ़ाकर श्रद्धांजलि दी।

6.4 लाख रुपये के मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार नाइजीरियाई महिला

पालघर। महाराष्ट्र के पालघर जिले में पुलिस ने 66 वर्षीय नाइजीरियाई महिला से लगभग 6.4 लाख रुपये का मादक पदार्थ जब्त किया। एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि खुफिया जानकारी के आधार तुलिंज पुलिस ने आरोपी केहिंदे बोलाजी बेलो के मीरा-भयंदर इलाके के प्रगति नगर स्थित मकान में छापा मारा। तुलिंज थाने के वरिष्ठ निरीक्षक शैलेंद्र नगरकर ने बताया कि पुलिस ने बेलो के पास से 56.2 ग्राम मादक पदार्थ 'एमडी' और 7.5 ग्राम कोकीन जब्त की जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करीब 6.4 लाख रुपये कीमत बताई गई है। महिला के खिलाफ स्वापक औषधि और मन:प्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

सीएम, डिप्टी सीएम के खिलाफ अपमानजनक वीडियो बनाने वाला गिरफ्तार

मेंगलुरु । कर्नाटक के सीएम व डिप्टी सीएम के खिलाफ अपमानजनक वीडियो बनाने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। मेंगलुरू पुलिस ने बुधवार को बताया कि उसने मुख्यमंत्री सिद्दारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के खिलाफ अपमानजनक वीडियो बनाने और सोशल मीडिया पर फुटेज पोस्ट करने के आरोप में एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान सुरथकल शहर निवासी अनिल कुमार के रूप में हुई है। मूल रूप से उत्तर कन्नड़ जिले का अनिल कैब ड्राइवर है। आरोपी को विभिन्न सरकारी लाभ योजनाओं का लाभ उठाने के लिए राशन कार्ड में लाभार्थी के रूप में अपना नाम जोड़ने में दिक्कत आ रही थी। इससे नाराज होकर आरोपी कुमार ने कन्नड़ और टुलु भाषा में सिद्दारमैया और शिवकुमार को गाली देते हुए वीडियो बना कर सोशल मीडिया पर वायरल किए। इसके बाद नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के अध्यक्ष सुहास अल्वा ने इस संबंध में मेंगलुरु पुलिस आयुक्त के पास शिकायत दर्ज कराई थी। उनकी इस शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। सूरथकल पुलिस ने इस संबंध में उसके खिलाफ आईपीसी की धारा 153ए, 505 (1) (सी) और 504 लगकार मामला दर्ज कर लिया है।

यूपी में भी दिल्ली-पंजाब की तरह घरेलू बिजली बिल माफ करने की मांग

बलरामपुर । अब यूपी में भी दिल्ली तथा पंजाब की तरह घरेलू बिजली का बिल माफ करने की मांग उठ रही है। बीजेपी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दल सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने यह मांग उठाई है। उन्होंने बलरामपुर में कार्यकर्ता सम्मेलन में हिस्सा लेने पहुंचने पर पत्रकारों से बातचीत की। अपने विवादित बयानों के कारण हमेशा चर्चा में रहने वाले राजभर ने नेताओं पर आरोप लगाया कि दारू, मुर्गा और पैसे देकर नेता वोट ले लेते हैं, लेकिन जनता को कुछ दिया नहीं है। नेताओं ने सिर्फ जनता को गुमराह करके रखा है, लेकिन हम उत्तर प्रदेश और बिहार में जनता को जागरूक करने के लिए निकले हैं। प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ की तारीफ करते हुए सुभासपा प्रमुख ने कहा कि मुख्यमंत्री ने प्रदेश के सभी विधायकों को 25-25 लाख रुपये लोगों के इलाज के लिए दिए हैं लेकिन इस बात की लोगों को जानकारी नहीं है। उन्होंने मांग कि की दिल्ली और पंजाब की तरह घरेलू बिजली का बिल माफ होना चाहिए। राजभर ने सवाल उठाते हुए कहा कि अगर गुजरात, बिहार और पुडुचेरी में शराब बंदी हो सकती है तो पूरे देश में शराबबंदी क्यों नहीं हो सकती। राजभर ने सपा पर निशाना साधते हुए कहा कि सपा राज को गुंडाराज की संज्ञा दी जाती है जबकि योगी राज में कानून व्यवस्था बेहतर है। यहां तक कि सात वर्ष में एक भी दंगा प्रदेश में नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि राजग उत्तर प्रदेश की सभी 80 सीटें तथा पूरे देश में 400 सीटें जीतेगा। राजभर के नेतृत्व वाली सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी ने 2022 का विधानसभा चुनाव सपा के साथ गठबंधन से लड़ा था और उसे प्रदेश की 403 सदस्यीय विधानसभा में छह सीटों पर जीत हासिल हुई थी।

श्रीकृष्ण जन्मभूमि मामले के वादी आशुतोष को बम से उड़ाने की धमकी

मथुरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद के वादी आशुतोष पांडे को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने ऑडियो भेजकर कहा है कि तीन दिन के भीतर पांडे को बम से उड़ा दिया जाएगा। इस ऑडियो संदेश में हिंदू वादी आशुतोष को गालियां भी दी गई है। जानकारी के मुताबिक श्रीकृष्ण जन्मभूमि और शाही ईदगाह विवाद मामले में मुख्य वादी आशुतोष पांडे को फोन कर ऑडियो मैसेज भेजा गया है। इसमें उन्हें तीन दिनों के भीतर जान से मारने की धमकी दी गई है। धमकी देने वाले ने खुद को पाकिस्तानी बताया है। धमकी में कहा गया है कि तीन दिन में आशुतोष को बम से उड़ा दिया जाएगा।पांडे को धमकी मिलने के साथ ही उनके सोशल मीडिया अकाउंट के साथ भी छेड़छाड़ की जा रही है। इसके तहत उनके फेसबुक अकाउंट के साथ छेड़छाड़ की गई है। उनका फेसबुक अकाउंट हैक किया गया है। हैक करने के बाद हैकर्स ने उनके अकाउंट से अशलील वीडियो और फोटो पोस्ट किए है। आशुतोष पांडे को धमकी मिलने के बाद इसकी जानकारी उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखकर दी है।सुप्रीम कोर्ट ने मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि से सटी शाही ईदगाह मस्जिद के अदालत की निगरानी में सर्वेक्षण की अनुमति वाले इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश पर मंगलवार को रोक लगा दी। न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने 14 दिसंबर 2023 के आदेश के क्रियान्वयन पर रोक लगा दी जिसमें वह मस्जिद परिसर के सर्वेक्षण की निगरानी के लिए एक अदालत आयुक्त की नियुक्ति पर सहमत हो गया था।

शिंदे गुट की याचिका पर कोर्ट ने स्पीकर और उद्धव गुट को जारी किया नोटिस

मुंबई। बॉम्बे हाई कोर्ट ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना के मुख्य सचेतक भरतशेत गोगावले द्वारा दायर एक याचिका के जवाब में महाराष्ट्र अध्यक्ष राहुल नार्वेकर और उद्धव ठाकरे के गुट के 14 विधायकों को नोटिस जारी किया है, जिसमें नार्वेकर के ठाकरे गुट के विधायकों को अयोग्य न ठहराने के फैसले को चुनौती दी गई है। न्यायमूर्ति गिरीश कुलकर्णी और न्यायमूर्ति फिरदोश पूनीवाला की पीठ ने सभी उत्तरदाताओं को अपने हलफनामे दाखिल करने का निर्देश दिया और 8 फरवरी के लिए आगे की सुनवाई निर्धारित की। 12 जनवरी को दायर गोगावले की याचिकाओं में स्पीकर के आदेश को कानूनी रूप से त्रुटिपूर्ण घोषित करने, इसे रद्द करने और सभी 14 यूबीटी विधायकों को अयोग्य घोषित करने की मांग की गई है। स्पीकर के आदेश को चुनौती देते हुए ठाकरे गुट ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। गोगावले का तर्क है कि ठाकरे गुट के सदस्यों ने व्हिप का उल्लंघन किया और स्वेच्छा से शिवसेना की सदस्यता छोड़ दी, इसका समर्थन करते हुए दावा किया कि उन्होंने सत्तारूढ़ सरकार को गिराने का प्रयास करते हुए कांग्रेस और राकांपा के सहयोग से शिवसेना सरकार के खिलाफ मतदान किया। गोगावले के अनुसार, स्पीकर के आदेश ने गलती से इन दावों को महज आरोप कहकर खारिज कर दिया। याचिका में कहा गया है, 'माननीय अध्यक्ष गोगावले द्वारा दायर जवाब को पढ़ने में भी विफल रहे, जिसमें प्रतिवादी ने याचिकाकर्ता के आरोपों को स्वीकार किया है।' याचिका में अयोग्यता याचिका में स्पीकर के रिकॉर्ड और कार्यवाही को मंगाने, उन्हें 'कानून की दृष्टि से खराब और खारिज करने' की घोषणा करने और उचित आदेश जारी करने की मांग की गई है।

ओडिशा के पूर्व सीएम गिरिधर गमांग की घर वापसी, पत्नी और बेटे के साथ थामा कांग्रेस का हाथ

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पूर्व मुख्यमंत्री गिरिधर गमांग भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और फिर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में शामिल होने के बाद बुधवार को फिर से कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। नौ बार के लोकसभा सांसद अपनी पत्नी हेमा और बेटे शिशिर के साथ सबसे पुरानी पार्टी में शामिल हुए। गमांग ने भगवा पार्टी से हाथ मिलाने के लिए 2015 में कांग्रेस छोड़ दी थी। गमांग, जो कोरापुट क्षेत्र के एक प्रमुख आदिवासी नेता हैं, ने ओडिशा के मुख्यमंत्री और साथ ही प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस ने लिखा कि आज कांग्रेस कोषाध्यक्ष अजय माकन जी और उड़ीसा कांग्रेस प्रभारी डॉ अजॉय कुमार जी की उपस्थिति में उड़ीसा के पूर्व मुख्यमंत्री गिरिधर गमांग जी कांग्रेस पार्टी में शामिल हुए। गिरिधर जी के साथ श्रीमती हेमा गमांग जी, संजय भोई जी और शिशिर गमांग जी भी कांग्रेस पार्टी का हिस्सा बने। आप सभी को बधाई एवं भविष्य के लिए शुभकामनाएँ। गिरिधर गमांग ने कहा कि वापस आने के बाद पार्टी ने मुझे अपनाया... पार्टी ने मुझे हर समय स्वीकार किया है। मैं सिद्धांत के लिए काम करता हूं... मुझे ओडिशा में जहां भी दायित्व दिया जाएगा मैं वहां काम करूंगा।

उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस ही ऐसी पार्टी है, जो सिद्धांतवादी राजनीति करती है। कांग्रेस ने मुझे 11 बार टिकट दिया, जो कोई पार्टी नहीं कर सकती है। मैं दूसरे दल में रहा, लेकिन सम्मान केवल कांग्रेस ही दे सकती है। राहुल गांधी जी ने जो कदम उठाया है, वह राजनीतिक नहीं बल्कि संवैधानिक है। हम सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय की लड़ाई लड़ते रहेंगे। गिरिधर गमांग ने पिछले साल भाजपा से नाता तोड़ लिया और के.चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली बीआरएस में शामिल हो गए। गमांग और उनके बेटे शिशिर के कांग्रेस में वापस आने की अटकलों के बीच बुधवार का घटनाक्रम सामने आया। गमांग 1972 से 2004 के बीच कोरापुट से नौ बार लोकसभा सांसद रहे।

पार्टी के एक नेता ने कहा कि हालांकि गमांग ने पार्टी छोड़ दी और भाजपा में शामिल हो गए, लेकिन उन्होंने सोनिया गांधी और कांग्रेस आलाकमान के खिलाफ एक भी शब्द नहीं बोला। पिछले साल अगस्त में, गमांग ने अपने बेटे सिसिर के साथ ओपीसीसी अध्यक्ष शरत पट्टनायक और कोरापुट के सांसद सप्तगिरी उलाका की उपस्थिति में ओडिशा के तत्कालीन अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रभारी ए चेल्लाकुमार से मुलाकात की थी। बैठक के बाद, गमांग के बेटे सिसिर ने संवाददाताओं से कहा कि वे पहले ही कांग्रेस में शामिल होने की अपनी इच्छा बता चुके हैं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा... कुकी उग्रवादियों ने सुरक्षाबलों पर किया हमला

इंफाल । मणिपुर में जारी हिंसा की घटनाएं रुक नहीं रही हैं। मणिपुर के तेंगनोउपल जिले के सीमावर्ती शहर मोरेह में संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों के एक वाहन पर हमला किया। इसमें राज्य पुलिस का एक कर्मी शहीद हो गया। मृतक की पहचान मोरेह में राज्य पुलिस कमांडो के रूप में तैनात भारतीय रिजर्व बटालियन (आईआरबी) के जवान वांगखेम सोमोरजीत के रूप में की गई है। सोमोरजीत इंफाल वेस्ट जिले के मालोम के रहने वाले थे।

पुलिस ने बताया कि सुरक्षा बलों की बुधवार सुबह मोरेह शहर में तीन अलग-अलग स्थानों पर संदिग्ध कुकी उग्रवादियों के साथ मुठभेड़ हुई। पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने एसबीआई मोरेह के पास सुरक्षा बलों की एक चौकी पर बम फेंके और गोलीबारी की। इसके जबाव में सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्रवाई की। उग्रवादियों ने अस्थायी कमांडो चौकी पर आरपीजी गोले भी दागे। इससे आसपास खड़े कई वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने बताया कि एक पुलिस अधिकारी की हत्या के मामले में सीमावर्ती शहर में राज्य बलों की ओर से दो संदिग्धों को गिरफ्तार करने के 48 घंटे बाद संदिग्ध कुकी उग्रवादियों ने सुरक्षा बलों की चौकी पर गोलीबारी की।

इसके पहले मणिपुर सरकार ने तेंगनोउपल में शांति भंग होने, सार्वजनिक सद्भाव बिगड़ने और मानव जीवन एवं संपत्ति को गंभीर खतरे की आशंका संबंधी जानकारी मिलने के बाद 16 जनवरी को देर रात 12 बजे से पूर्ण कर्फ्यू लगा दिया था। तेंगनोउपल के जिला मजिस्ट्रेट की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि कर्फ्यू कानून-व्यवस्था लागू करने और आवश्यक सेवाओं से जुड़ी सरकारी एजेंसियों पर लागू नहीं होगा।

अभेद किले में बदली अयोध्या, 10,000 सीसीटीवी और 325 इंस्पेक्टर, 800 सब इंस्पेक्टर और एक हजार से अधिक कांस्टेबल के हाथों सुरक्षा का जिम्मा

अयोध्या (एजेंसी)। 22 जनवरी 2024 को पवित्र शहर अयोध्या में राम मंदिर का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह शुरू होने वाला है। पूरा देश उत्साह से भरा हुआ है। हालांकि, कार्यक्रम को लेकर सुरक्षा को भी सर्वोच्च स्तर पर रखा गया है। अधिकारी जनशक्ति और तकनीक के मिश्रण का उपयोग कर रहे हैं, जिसमें ड्रोन-विरोधी सुविधाओं वाले ड्रोन और कैमरों में एआई शामिल हैं। ताकि समारोह के दौरान हर चीज पर कड़ी नजर रख सके। किसी भी बदलाव के बारे में जनता को पहले से सूचित करने की योजना के साथ, परिवहन में भी कोई परेशानी ना हो, इसका भी ध्यान रखा गया है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर अयोध्या में सुरक्षा व्यवस्था पर स्पेशल डीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने बताया कि जिन स्थानों पर आम जनता या आम श्रद्धालु दर्शन करने वाले हैं, वहां पुलिस के लिए अलग से ड्रेस कोड होगा। वहां तैनात सभी पुलिसकर्मी बिना हथियार के और हथियार वाले पुलिसकर्मी वर्दी में तैनात किए जाएंगे। साथ ही उन्होंने बताया कि हमने तकनीक को भी शामिल किया है और कैमरों के जरिए निगरानी की जाएगी। विभिन्न राज्यों से आए कुछ प्रशिक्षु आईपी अधिकारियों को भी तैनात किया गया है क्योंकि विभिन्न भाषाएं बोलने वाले लोग अयोध्या आएंगे और उनके सहज अनुभव के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं।

स्थानीय अधिकारी भीड़ को नियंत्रित करने के लिए सब कुछ कर रहे हैं। उन्नत सुरक्षा उपायों और साजो-सामान योजना के साथ, वे राम मंदिर में इस ऐतिहासिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने वाले सभी लोगों के लिए एक सहज अनुभव सुनिश्चित कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि प्राण प्रतिष्ठा समारोह के लिए मजबूत सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए, पूरे जिले में 10,000 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं और सादे कपड़ों में बहुभाषी पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। 90 दिनों की रिकॉर्डिंग क्षमता के साथ, ये हाई-टेक कैमरे शहर भर के प्रमुख स्थानों से फुटेज कैप्चर करते हुए निरंतर निगरानी प्रदान करेंगे। यूपी पुलिस की तरफ से 3 डीआईजी, 17 आईपीएस और 100 पीपीएस स्तर के अधिकारी अयोध्या में तैनात किए गए हैं। जानकारी के मुताबिक 325 इंस्पेक्टर, 800 सब इंस्पेक्टर और एक हजार से अधिक कांस्टेबल मौजूद रहने वाले हैं।

इसके लिए यूपी पुलिस ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं और इसके साथ ही पूरे रेड जोन, येलो जोन और अयोध्या जिले की हर सड़क पर सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। आगंतुकों की आमद को प्रबंधित करने और निर्बाध यातायात प्रवाह की सुविधा के लिए, इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) परियोजना को अयोध्या में 20 महत्वपूर्ण स्थानों पर लागू किया जाएगा। सतर्क यातायात निगरानी वाले क्षेत्रों में रिकाबगंज, सिविल लाइन, हनुमान गुफा और कई अन्य लोकप्रिय स्थान शामिल हैं।

वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा कि अयोध्या में बहने वाली सरयू नदी की सुरक्षा भी बढ़ा दी गई है और बिजली नौकाओं, एनडीआरएफ और एसडीआरएफ टीमों और स्थानीय नाविकों के उपयोग के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ऐसी परिवहन व्यवस्था करना है कि लोगों को कोई परेशानी न हो। हम जनता को डायवर्जन योजनाओं के बारे में पहले से सूचित करने वाले हैं, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि किसी को कोई असुविधा न हो। यूपी पुलिस ने अयोध्या रेलवे स्टेशन और उसके आसपास के सैटेलाइट रेलवे स्टेशनों के लिए भी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है।

2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कांग्रेस का मैनिफेस्टो लोगों का घोषणापत्र होगा, चिदंबरम बोले- देश भर में बड़े पैमाने पर सुझाव मांगे जाएंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने बुधवार को कहा कि कांग्रेस का 2024 का लोकसभा चुनाव घोषणापत्र 'लोगों का घोषणापत्र' होगा, जिसके लिए देश भर में बड़े पैमाने पर सुझाव मांगे जाएंगे, क्योंकि पार्टी ने लोगों से अपने चुनाव घोषणापत्र के लिए सुझाव आमंत्रित किए हैं। नई दिल्ली में एआईसीसी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए, चिदंबरम ने कहा कि सुझाव एकत्र करने का मुख्य माध्यम सार्वजनिक परामर्श होगा, जो हर राज्य में आयोजित किया जाएगा।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा, कांग्रेस ने एक वेबसाइट awaazbharatki.in और एक ईमेल पता - awaazbharat-ki@inc - लॉन्च की है, जहां लोग अपने सुझाव भेज सकते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने घोषणापत्र में जितना संभव हो उतने लोगों को शामिल करने का वादा किया है। वेबसाइट आगंतुकों को विषयवार अपने सुझाव प्रस्तुत करने की अनुमति देगी। कांग्रेस की घोषणापत्र समिति के

अध्यक्ष चिदंबरम ने कहा कि हम भारत के लोगों को ईमेल द्वारा अपने सुझाव भेजने के लिए आमंत्रित करते हैं। वेबसाइट आपको विषयवार अपने सुझाव भेजने का विकल्प देती है। हम ईमानदारी से भारत के लोगों से अपील करते हैं कि वे इन वाहनों का उपयोग करें और इसे लोगों का घोषणापत्र बनाने में हमारी मदद करें। समिति में 15 अन्य सदस्य शामिल हैं, जिनमें पूर्व केंद्रीय मंत्री आनंद शर्मा, जयराम रमेश और शशि थरूर, कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया, प्रियंका गांधी वाड्रा और संयोजक टीएस देव शामिल हैं। चिदंबरम ने कहा कि पार्टी हर राज्य में सार्वजनिक विचार-विमर्श करेगी और समिति के सदस्य पार्टी के लोगों, स्थानीय नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत करेंगे।

महुआ को थमाया वेदखली का नोटिस, अब जबरन खाली कराया जाएगा सरकारी बंगला!

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीएमसी की वरिष्ठ नेता महुआ मोइत्रा पर एक बार फिर कानूनी शिकंजा कसता नजर आ रहा है। महुआ लंबे समय से सरकारी आवास खाली करने में आनाकानी कर रहीं हैं। इसको लेकर संपदा निदेशालय ने उन्हे वेदखली का नोटिस जारी किया गया है। अब संभावना जताई जा रही है,यदि महुआ ने आवास नहीं छोड़ा तो जबरियां खाली कराया जा सकता है। महुआ मोइत्रा को पिछले महीने लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। सूत्रों ने बताया कि तृणमूल कांग्रेस नेता को सरकारी बंगला तुरंत खाली करने को कहा गया है. यह बंगला उन्हें बतौर सांसद आवंटित किया गया था। सूत्रों ने बताया, 'उन्हें (मोइत्रा को) मंगलवार को बंगला खाली करने का नोटिस जारी किया गया।

अब संपदा निदेशालय के अधिकारियों की एक टीम यह सुनिश्चित करने के लिए भेजी जाएगी कि सरकारी बंगला जल्द से जल्द खाली कराया जाए।' तृणमूल कांग्रेस नेता को पिछले साल 8 दिसंबर को लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था। इससे पहले मोइत्रा का आवंटन रद्द करते हुए उन्हें 7 जनवरी तक बंगला खाली करने

को कहा गया था। संपदा निदेशालय ने फिर 8 जनवरी को एक नोटिस जारी कर उनसे तीन दिन के भीतर जवाब मांगा था कि उन्होंने अपना सरकारी आवास खाली क्यों खाली नहीं किया। इसके बाद 12 जनवरी को उन्हें एक और नोटिस जारी किया गया था।दिल्ली हाईकोर्ट ने 4 जनवरी को तृणमूल नेता को आवंटित सरकारी आवास पर कब्जा जारी रखने की अनुमति देने के अनुरोध के साथ संपदा निदेशालय से संपर्क करने को कहा था। मोइत्रा को कारोबारी दर्शन हीरानंदानी से कथित तौर पर उपहार लेने और उनके साथ संसद की वेबसाइट की 'यूजर आईडी और पासवर्ड' साझा करने के आरोप में पिछले साल 8 दिसंबर को 'अनैतिक आचरण' का दोषी ठहराया गया था और लोकसभा से निष्कासित कर दिया गया था।

नीति आयोग प्रधानमंत्री का जय-जयकार, कांग्रेस ने गरीबी पर थिंक टैंक की रिपोर्ट को नकारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नीति आयोग क्या है? कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने बुधवार को सार्वजनिक नीति थिंक टैंक की उस रिपोर्ट को खारिज करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जयजयकार है कि पिछले नौ वर्षों में लगभग 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर निकले हैं। नीति आयोग और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने संयुक्त रूप से बहुआयामी गरीबी सूचकांक पर एक चर्चा पत्र जारी किया है जो देश में बहुआयामी गरीब आबादी की संख्या में गिरावट की दर का अध्ययन करने का प्रयास करता है। राष्ट्रीय बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एनएमपीआई) का उपयोग करते हुए, अध्ययन में पाया गया कि 2013-14 के बाद से भारत में लगभग 24.82 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आ गए हैं। उत्तर प्रदेश, बिहार और मध्य प्रदेश में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि भारत 2030 से पहले बहुआयामी गरीबी को आधा करने के सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) के लक्ष्य को हासिल कर लेगा। इसमें सबसे कमजोर और वंचितों

के जीवन को बेहतर बनाने के लिए सरकार के निरंतर समर्पण और दृढ़ प्रतिबद्धता को श्रेय दिया गया है। रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने रिपोर्ट को खारिज कर दिया, इसे ÷फर्जी÷ बताया और नीति आयोग को पीएम के लिए ढोल बजाने वाला कहा। कोई भी शरीर द्वारा जारी आंकड़ों पर विश्वास नहीं कर सकता है। हर विशेषज्ञ ने रिपोर्ट की आलोचना की है।

उन्होंने कहा कि पार्टी के बयान को और स्पष्ट करने के लिए कल इस मुद्दे पर एक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने राहुल गांधी के नेतृत्व वाले पैदल मार्च, भारत जोड़ो न्याय यात्रा की दूसरी किस्त पर कटाक्ष किया और नीति आयोग की रिपोर्ट का हवाला देते हुए संकेत दिया कि वास्तविक न्याय कौन कर रहा है।

लालू ने कहा, गठबंधन में इतनी जल्दी सीट तय नहीं होती

पटना । भले ही विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया में शामिल कई दल सीट बंटवारा नहीं होने पर नाराजगी व्यक्त कर रहे हों, लेकिन, राजद अध्यक्ष और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव अभी सीट बंटवारे को जल्दी बताते हैं। लालू ने बुधवार को साफ कर दिया कि इतनी जल्दी सीट शेयरिंग नहीं होती है। इस दौरान उन्होंने राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा में जाने से मना कर दिया। पटना में चर्चा के दौरान जब लालू से इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर विवाद के विषय में पूछा तब लालू ने बेबाकी से कहा कि गठबंधन में इतनी जल्दी सीट तय नहीं होती है। अयोध्या में श्री राम मंदिर में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने पर राजद अध्यक्ष ने साफ मना कर दिया।

हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला: नाबालिग लड़की की सहमति पर शारीरिक संबंध बनाना भी दुष्कर्म माना जाएगा

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात हाईकोर्ट ने नाबालिग लड़की के साथ शारीरिक संबंध बनाने को लेकर महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि नाबालिग लड़की की सहमति के बाद भी उसके साथ शारीरिक संबंध बनाना अपराध होगा। एक मामले में आरोपी के स्थायी जमानत रद्द करते हुए हाईकोर्ट के न्यायधीश जेसी दोशी ने कहा कि पोस्को कानून के तहत एफआईआर में आरोपी को जमानत के लिए नाबालिग की सहमति पर गौर करने की जरूरत नहीं है। पीड़िता 14 वर्ष की होय और उसकी सहमति हो तब भी आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। हाईकोर्ट ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को जमानत देने पर निचली कोर्ट पर भी कड़ी नाराजगी व्यक्त की। हाईकोर्ट ने कहा कि निचली अदालत ने अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दे को नजरअंदाज कर एफआईआर का गलत अर्थघटन किया।

गुजरात हाईकोर्ट के न्यायधीश जेसी दोशी ने भरुच-अंकलेश्वर की सेशन्स कोर्ट द्वारा 31 वर्षीय आरोपी को स्थायी जमानत दिए जाने के आदेश को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने कहा कि पोक्सो कानून के मुताबिक नाबालिग लड़की की सहमित अर्थहीन होती है। हाईकोर्ट ने इस मामले में संज्ञान लिया कि सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के कई फैसलों द्वारा प्रस्थापित सिद्धांतों का निचली कोर्ट का आदेश उल्लंघन करता है। इसलिए आरोपी की जमानत रद्द करने की राज्य सरकार की अपील मंजूर की जाती है और निचली अदालत के गलत आदेश को खारिज किया जाता है। बता दें कि अंकलेश्वर की अदालत ने आरोपी को स्थायी जमानत दी थी।

पूरे मामले पर गौर करें तो नाबालिग लड़की रात्रि भोजन के बाद घर के बाहर बैठी थी। उस वक्त मुकेश भरवाड नामक शख्स ने 14 वर्षीय किशोरी को मोबाइल पर मैसेज कर छत बुलाया था। साथ ही धमकी दी थी कि अगर वह छत पर नहीं आई तो अपने हाथ की नस काट लेगा। मुकेश का मैसेज देख किशोरी सहम गई और छत पर पहुंच गई। किशोरी के छत पर पहुंचते ही मुकेश ने उसे दबोच लिया और उसके कपड़े उतार दिए। जिसके बाद आरोपी मुकेश ने नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म किया। बेटी की तलाश करते करते उसके पिता छत पर पहुंच गए, जहां अन्य शख्सों ने उसके साथ मारपीट की और फरार हो गए। इस मामले में निचली अदालत द्वारा आरोपी को अस्थायी जमानत दिए

जाने पर मामला गुजरात हाईकोर्ट पहुंच गया। लेकिन हाईकोर्ट ने निचली अदालत के फैसले को पलटते हुए कहा कि नाबालिग लड़की के साथ उसकी सहमति पर भी शारीरिक संबंध बनाना अपराध है और वह दुष्कर्म की व्याख्या में आता है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

१८ हजार लीटर केमिकल बायोडीजल से भरे टैंकर के साथ दो गिरफ्तार,४३.३५ लाख कीमत जब्त

सचिन पुलिस ने दो आरोपीओं को गिरफ्तार किया और तीन को वांझित घोषित किया, पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचिन पुलिस ने सूरत सचिन-पलसाणा-हजीरा राजमार्ग पर वांझ ब्रीज के पास रसायनों से बने बायो-डीजल मिश्रित ईंधन से भरे एक टैंकर को १८,००० लीटर बायो-डीजल के साथ जब्त किया। पुलिस ने ४३.३५ लाख रुपये समेत दो को गिरफ्तार कर जांच शुरूकी है। सूचना के बाद निगरानी स्थापित की गई थी कि सचिन पलसाना-हजीरा राजमार्ग पर वांझ ब्रीज के पास एक टैंकर (नंबर-डीडी-०१-जी-९६८५) में अवैध रूप से रासायनिक रूप से उपचारित बायो-डीजल भरा जा रहा था। किशोर अनिल यादव उव .२१ ड्राइविंग निवासी-जीतूभाई चाल, दंदुल पल्ली, दादरानगर हवेली, (यूटी) को पकड़ा गया। ईंधन का निरीक्षण करने और आवश्यक नमूने प्राप्त करने के लिए एफएसएल अधिकारियों को मौके पर बुलाया गया। परीक्षण के दौरान बायोडीजल जैसे मिलावटी ईंधन का ऑर्डर देने वाले आशीषकुमार जगदीशभाई पटेल उम्र ३६, निवासी हाउस नंबर ०४, अवनी बंगलोज, सरोली गांव को गिरफ्तार किया गया। जब्त किए गए वाहनों से बायो डीजल जैसा १८,००० लीटर मिश्रित ईंधन मिला, जिसमें से एक लीटर की कीमत रु ९० के अनुसार १६.२० लाख, टैंकर की कीमत १२ लाख और ब्रेजा कार की कीमत ६ लाख रुपये है। दोनों के पास से अलग-अलग कंपनियों के २ मोबाइल फोन किमत १५ हजार रुपये मिले है। इस प्रकार कुल ३४.३५ लाख का माल जब्त कर लिया गया है और आगे की जांच जारी है। आरोपी (१) किशोर अनिल यादव और (२) आशीषकुमार जगदीशभाई पटेल को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि आरोपी (३) जवलकुमार कनुभाई पटेल निवासी-१००३, स्काई व्यू बिल्डिंग, परवत पाटिया (४) पीयूष पटेल निवासी- वराछा सूरत (५) जेयेनके पेट्रोजेल्स प्राइवेट लिमिटेड. प्लॉट नंबर ३, ४ सर्वे नंबर २०७, उमरकुई सेलवास के अधिकृत एवं जिम्मेदार व्यक्ति को वांछित घोषित कर कानूनी कार्रवाई की

प्रेमिका की हत्या कर प्रेमी ने की आत्महत्या, सूरत में एक दिल दहला देने वाली घटना घटी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के उधना इलाके में दिल दहला देने वाली घटना हुई है। यहां के ओम साईं जलाराम नगर से पुलिस ने दो शव बरामद किए हैं। शुरुआती जांच में पता चला है कि ये शव एक प्रेमी जोड़े के हैं और प्रेमी ने अपनी प्रेमिका की हत्या करने के बाद फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है।

मिली जानकारी के मुताबिक, उधना की ओम साईं जलाराम नगर में संदिग्ध हालत में युवक-युवती की लाश मिलने से चर्चा का विषय बन गया।लड़का फांसी लगाकर मृत पाया गया और लड़की की लाश घायल हालत मेंगई थी। पुलिस ने युवक द्वारा युवती की हत्या कर आत्महत्या करने की आशंका जताते हुए आगे की जांच की है। घटना की सूचना मिलने पर भीड़ जमा हो गई।

लड़ाकू विमानों की आवाज से गूंजा शहर का गगन

२० जनवरी को दिल छू लेने वाला एयर-शो

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

भारतीय वायु सेना की सूर्य किरण एरोबेटिक टीम २० जनवरी को भरूच में एक एयर-शो आयोजित करने जा रही है, वहीं सूर्य किरण एरोबेटिक टीम सूरत पहुंची। इस टीम द्वारा आज रिहर्सल किया गया। तो सूरत का आसमान लड़ाकू विमानों की आवाज से गूंज उठा।

भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम द्वारा एक दिल छू लेने वाला एयर-शो २० जनवरी को दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर देहगाम, भरूच में १५-०० से १६-३० बजे तक आयोजित किया जाएगा। एयर-शो की रिहर्सल में सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के फाइटर प्लेन ने सूरत के गगन की शोभा बढ़ाई।

हॉक एमके-१३२ उन्नत जेट ट्रेनर विमान भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण एरोबैटिक टीम में ९ लड़ाकू विमान शामिल हैं। जिसकी स्थापना १९९६ में हुई थी। शुरुआत में टीम ने २०११ तक किरण नाम के अपेक्षाकृत धीमे ट्रेनर जेट विमान के साथ एयर शो किया। सूर्यकिरण टीम को २०११ के बाद भंग कर दिया गया और २०१७ में इसका पुनर्गठन किया गया। २०१७ से, सूर्यकिरण टीम हॉक एमके-१३२ नामक एक उन्नत जेट ट्रेनर विमान का उपयोग कर रहे हैं।

भारतीय वायुसेना की सूर्य किरण टीम का दिल छू लेने वाला कारनामा, भरूच में होगा एयर शो

पांडेसरा में मवेशी पकड़ने गई नगर निगम टीम से भिड़े चरवाहे

नगर निगम कर्मचारी पर चरवाहों ने लकड़ी के वार से घायल कर दिया

चरवाहों और नगर निगम टीम के बीच हमला

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में आवारा मवेशियों को लेकर नगर निगम और पशुपालक आमने-सामने आ गए हैं। पांडेसरा इलाके में आवारा मवेशियों को पकड़ने गई नगर निगम की टीम पर हमला हुआ था। खुले में आवारा घूम रही पशुओं को पकड़कर वाहन में लादते समय चरवाहे आ गए। जब उन्होंने कर्मचारियों पर लकड़ी के डंडे से हमला किया तो वे घायल हो गए और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाना पड़ा। पांडेसरा इलाके में आवारा मवेशियों की शिकायत के बाद नगर निगम की कैटल पार्टी ने सुबह-सुबह आवारा मवेशियों को पकड़ना शुरू कर दिया। हमला उस वक्त हुआ जब खुले में खड़े पशुओं को नगर निगम के कर्मचारी बांध रहे थे। नगर निगम की टीम द्वारा कार्यवाही करने पर शुरुआत में तो अफरा-तफरी मच गई। बाद में माहौल तनावपूर्ण होने पर महिलाओं व पुरुषों ने नगर निगम की टीम पर हमला बोल दिया।

पूरी घटना में नगर निगम कर्मचारी को सिर में चोट लगने के बाद इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं पांडेसरा पुलिस ने हमले के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच कर रही है। हालांकि, लगातार हो रहे हमलों के चलते पुलिस सुरक्षा और हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है।

चोट पहुंचाने वाले व्यक्तिके खिलाफ अपराध दर्ज किया जाएगा

इस संबंध में पांडेसरा पीआई एन.के. कामलिया ने बताया कि सूरत नगर निगम की टीम खाडी पुल के आसपास खुले प्लोट में आवारा मवेशियों को पकड़ने पहुंची थी। इसी बीच पशु मालिकों और नगर निगम की टीम के बीच नोकझोंक हो गई। बताया गया है कि एक कर्मचारी घायल हो गया है, उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही हमारी टीम मौके पर पहुंची और कानूनी कार्रवाई शुरूकी। चोट पहुंचाने वाले व्यक्तिके खिलाफ अपराध दर्ज किया जाएगा।

निजी स्कूल के दो छात्रों को छत की साफ करने के लिए भेजा, पतंग की डोर खींचते समय करंट लगा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डिंडोली में शारदायतन स्कूल के दो छात्रों में से एक की हालत गंभीर

सूरत के डिंडोली में शारदायतन स्कूल के शिक्षक ने दो छात्र भाइयों को स्कूल के छत की सफाई के लिए भेजा। इसी बीच पतंग की डोर खींचते समय एक को करंट लग गया। भाई को बचाने के क्रम में दूसरा भाई भी करंट की चपेट में आ गया। दोनो को इलाज के लिए अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। जहां एक की हालत गंभीर पाई गई है। हालांकि, स्कूल के प्रिंसिपल ने पूरे मामले का सीसीटीवी फुटेज सामने लाते हुए कहा कि यह हादसा तब हुआ जब स्कूल शुरूहोने से पहले आए दो सगे भाई पतंग पकड़ने गए १ । ।

डिंडोली इलाके में मानसी रेजीडेंसी में परमेश्वर यादव परिवार के साथ रहते हैं। परमेश्वर के बच्चों में शिवम (१३ वर्ष) और शिवा (१५ वर्ष) दोनों भाई डिंडोली क्षेत्र में प्रियंका नगर-२ खाड़ी के पास खोडियार नगर में

शारदायतन स्कूल की कक्षा ६ में पढ़ते हैं। मंगलवार सुबह शिवम और शिवा दोनों भाई स्कूल में मौजूद थे। इसी बीच स्कूल के शिक्षक ने दोनों भाइयों को छत की सफाई के लिए भेज दिया। दोनों भाई छत की सफाई कर रहे थे जब शिवा ने पतंग की डोर पकड़कर खींची तो उसे करंट लग गया। शिवा को बचाने के प्रयास में शिवम भी करंट की चपेट में आ गया। इसलिए दोनों को इलाज के लिए १०८ एंबुलेंस के जरिए स्मीमेर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां से शिवा को आगे के इलाज के लिए वेसू चार रास्ता के पास संजीवनी अस्पताल ले जाया गया। करंट लगने से शिवा ६० से ६५ प्रतिशत तक झुलस गया। शिवा का स्वास्थ्य गंभीर पाया गया, और शिवम का स्वास्थ्य स्थिर है। स्कूल प्राचार्य ने बताया कि बच्चे स्कूल खुलने से पहले ही आ गये थे। दोनों भाई छत पर पतंग पकड़ने गए थे। वह हाथ में एल्युमीनियम की छड़ी लेकर पतंग पकड़ने गया। तभी ये घटना घटी। पूरी घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। जिसमें साफ दिख रहा है